शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 274 | गुवाहाटी | सोमवार, 11 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा तेलंगाना का विकास : प्रधानमंत्री — पेज 2
बीटीसी समझौते की भावना और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ता विवाद — पेज 3
संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत, पंजाब के कई शहरों में प्रदर्शन — पेज 5
हाकी इंडिया 11 से 20 मई तक लगाएगा सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर — पेज 7

## हिमंत चुने गए असम विधायक दल के नेता, गवर्नर से मिलकर पेश किया सरकार बनाने का दावा

### 12 को लेंगे सीएम पद की शपथ

**गुवाहाटी ( एजे/हि.स. )।** असम में भाजपा नेता डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को भाजपा और एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। वह 12 मई को असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। गुवाहाटी में रविवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में हिमंत विश्व शर्मा को भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस बड़े फैसले की जानकारी सार्वजनिक की। इस चुनाव के साथ ही अब शर्मा का लगातार दूसरी बार असम का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। असम भाजपा विधायक दल की बैठक सुबह आयोजित हुई थी। इसमें आठ भाजपा विधायकों ने नेता के रूप में हिमंत विश्व शर्मा के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी केंद्रीय पर्यवेक्षक और सह-पर्यवेक्षक के रूप में बैठक में मौजूद रहे। गठबंधन के प्रमुख साथी दलों, असम गण परिषद (अगप) और बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने भी शर्मा के नामांकन का पूरा समर्थन किया। सभी दलों की सहमति के बाद उन्हें सर्वसम्मति से एनडीए का नेता चुन लिया गया। इसके बाद, हिमंत विश्व शर्मा और एनडीए के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने लोक भवन में

*असम विधानसभा के नेता नियुक्त होने के बाद, हिमंत विश्व शर्मा ने असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को बहुमत वाली विधायकों की सूची सौंपी। इस तस्वीर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा भी गुवाहाटी के लोक भवन में रविवार को दिखाई दे रहे हैं।*
*फोटो- दशरथ डेका*

राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। एनडीए नेताओं ने राज्यपाल के सामने नई सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश कर दिया है। इस बैठक में उन्होंने सरकार बनाने से जुड़ी जरूरी बातों पर चर्चा की। असम विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। गठबंधन ने दो-तिहाई बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। उधर आज असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में राजग विधायक दल के नेता के रूप में निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को सर्वसम्मति से चुन लिया गया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। -शेष पृष्ठ दो पर

### डॉ. शर्मा ने पीएम मोदी और राजग विधायकों का जताया आभार

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम के मुख्यमंत्री–नामित डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को भाजपा नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें दूसरी बार राज्य की जनता की सेवा करने का अवसर मिला है, जिसके लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं। राजग विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद जारी बयान में डॉ. शर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व, विशेष रूप से गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने भाजपा, असम गण परिषद (अगप) तथा बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के नवनिर्वाचित विधायकों के प्रति भी आभार जताया, जिन्होंने उन्हें राजग विधायक दल का नेता चुनकर विकसित और सुरक्षित असम के जनादेश को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में शुरू हुई विकास, -शेष पृष्ठ दो पर

*असम चुनाव में हार के बाद कांग्रेस में मंथन*

## अब हाई कमान लेगा फैसला : गौरव

**गुवाहाटी।** असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने हाल ही में हुए असम विधानसभा चुनाव के परिणामों को *बेहद निराशाजनक* बताया और कहा कि वे इस परिणाम की पूरी जिम्मेदारी लेंगे। उन्होंने ये टिप्पणी 10 मई, 2026 को पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ हुई समीक्षा बैठक के दौरान की। गोगोई ने पत्रकारों से कहा कि असम विधानसभा चुनाव के हालिया नतीजे बेहद निराशाजनक हैं। मैंने पहले भी कहा है कि मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पार्टी के उच्च कमान को सूचित कर दिया है और आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। गौरव गोगोई ने आगे कहा कि मैंने उच्च कमान को भी सूचित कर दिया है और संगठनात्मक पुनर्गठन के साथ-साथ अगले कदमों की रूपरेखा तैयार करने का निर्णय उच्च कमान को ही करना है। साथ ही, हमने आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है... मुझे लगता है कि अगले महीने हम उन वास्तविक कारणों का पता लगाने की कोशिश करेंगे जो 2026 के इस विशेष परिणाम की व्याख्या कर सकते हैं। असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता -शेष पृष्ठ दो पर

## ममता बनर्जी को झटका, कांग्रेस और वाम दलों ने किया गठबंधन से इनकार

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पहली सरकार बनने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी की विपक्षी एकता की अपील को कांग्रेस और वाम दलों ने सिरे से खारिज कर दिया है। रविवार को कांग्रेस और विभिन्न वामपंथी दलों ने साफ कहा कि वे टीएमसी के साथ किसी भी तरह का राजनीतिक गठबंधन नहीं करेंगे। शनिवार को भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पांच अन्य विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। इसी दौरान ममता बनर्जी ने एक वीडियो संदेश जारी कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होने की अपील की थी। ममता ने कहा था कि मैं बंगाल के सभी विपक्षी दलों, छात्र संगठनों और एनजीओ से भाजपा के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

**सुप्रभात**

*हम चीजो को उस तरह से नहीं देखते जिस तरह से वे है, बल्कि हम चीजो को उस तरह से देखते है जिस तरह के हम है।*
**- अब्दुल कलाम**

*तमिलनाडु में टूटा दशकों पुराना प्रोटोकॉल*

## सीएम विजय की शपथ में बजा वंदे *मातरम*, सीपीआई हुई नाराज

**चेन्नई।** राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को बहुमत दिलाने के लिए लगातार चार दिनों तक चले संघर्ष के बाद, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। थलपति का शपथ ग्रहण समारोह चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक भव्य आयोजन -शेष पृष्ठ दो पर

## पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल विदेशी मुद्रा की होगी बचत : पीएम मोदी

**हैदराबाद।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि इससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी, बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के बड़े देशों में शामिल हो चुका है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### राजस्थान में गैस रिसाव, मां और दो बेटियों की जलकर मौत

**जयपुर।** राजस्थान के ब्यावर जिले में एक सिलिंडर से गैस रिसाव होने के कारण घर में आग लग गई। इस हादसे में मां और दो बच्चियों की जलने से मौत हो गई। बता दें कि मृतका मनीषा रसोई में चाय बना रही थी। इसी दौरान सिलिंडर से गैस का रिसाव शुरु हुआ और आग लग गई। घर में आग तेजी से फैला, जिससे मनीषा और -शेष पृष्ठ दो पर

### नाबालिग से यौन शोषण का आरोप में 71 साल का बौद्ध भिक्षु गिरफ्तार

**कॉलोंबो।** श्रीलंका में एक बड़े बौद्ध भिक्षु को नाबालिग लड़की के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 71 साल के पल्लेगामा हेमरत्ना देश के सबसे प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं में गिने जाते हैं। वह अनुराधापुरा शहर के एक बड़े मंदिर के मुख्य पुजारी हैं। पुलिस ने उन्हें शुक्रवार रात गिरफ्तार -शेष पृष्ठ दो पर

## बेंगलुरु में पीएम के कार्यक्रम स्थल से कुछ ही दूरी पर मिला विस्फोटक

*हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां*

**नई दिल्ली।** कर्नाटक पुलिस ने रविवार को बताया कि बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम में शामिल होने के कार्यक्रम स्थल के पास से कम से कम दो जिलेटिन स्टिक बरामद की गईं। इस घटना के बाद व्यापक सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया और पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियों ने गहन जांच शुरू की। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से कुछ घंटे पहले बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर से लगभग तीन किलोमीटर दूर एक फुटपाथ के किनारे -शेष पृष्ठ दो पर

## मैं 90 प्रतिशत सोशल वर्क करता हूं, मुझे चुनाव प्रचार की जरूरत नहीं : गडकरी

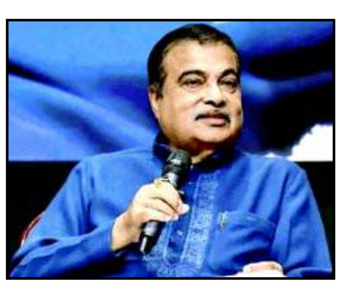

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वह चुनाव के दौरान प्रचार नहीं करते, क्योंकि भले ही वह एक राजनेता हैं, लेकिन उनका *90 परसेंट* काम सोशल वर्क है। वह एक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे, जहां पुणे के जाने-माने नागरिकों को सम्मानित करने के लिए पुण्य भूषण फाउंडेशन द्वारा शुरू किया गया *पुण्य भूषण* अवॉर्ड उद्योगपति अभय फिरोदिया को दिया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हालांकि मैं एक राजनेता हूं, लेकिन मैं 90 परसेंट सोशल वर्क करता हूं। इसलिए, मुझे चुनाव के दौरान प्रचार करने की जरूरत महसूस नहीं होती। गडकरी ने कहा कि फिरोदिया न केवल एक उद्योगपति हैं, बल्कि एक सामाजिक रूप से संवेदनशील व्यक्ति हैं जो बिजनेस में नैतिकता का पालन करते हैं। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह युवाओं को नौकरियां देती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिकल व्हीकल सेगमेंट अब तेजी से बढ़ रहा है और खरीदारों को पेट्रोल और डीजल -शेष पृष्ठ दो पर

## बंगाल में टीएमसी नेता की हत्या परिवार का भाजपा पर आरोप

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद लगातार हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। इस बीच हुगली जिले के गोघाट में टीएमसी के एक नेता का खून से लथपथ शव बरामद होने से हड़कंप मच गया। परिवार ने चुनाव के बाद हुई हिंसा के चलते हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक नकुंडा पंचायत के कोटा गांव में टीएमसी नेता सहदेव बाग का खून से लथपथ शव एक स्थानीय पार्टी कार्यालय के पास एक नाले से बरामद किया गया। उनके चेहरे और नाक पर गंभीर चोट के निशान थे। आरोप है कि उनकी हत्या घर के पास की गई थी और शव को तृणमूल पार्टी कार्यालय के पीछे फेंक दिया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

## अमित शाह ने लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

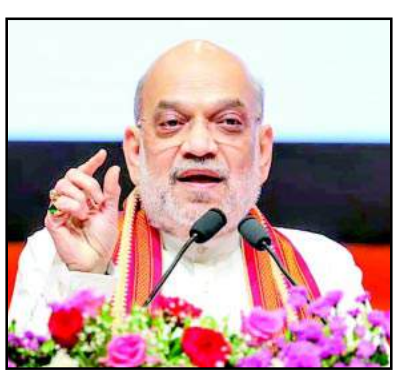

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की जानी चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) गठित और सक्रिय किए जाने चाहिए। आपदाओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी दिशानिर्देशों से जागरूकता बढ़ी है और *समग्र सरकारी* दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और -शेष पृष्ठ दो पर

## बांग्लादेश में हाईकोर्ट का हिन्दू संत चिन्मय ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार

**ढाका ( हि.स. )।** बांग्लादेश के चट्टोग्राम (पूर्व नाम चटगांव) के अलिफ हत्याकांड मामले में उच्च न्यायालय ने हिन्दू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस केएम जाहिद सरवर और जस्टिस शेख अबू ताहिर की बेंच ने उनकी जमानत याचिका पर पूर्व में जारी आदेश को खारिज कर दिया। बेंच चार अन्य मामलों में उनकी जमानत याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, चिन्मय दास की ओर से एडवोकेट अपूर्व कुमार भट्टाचार्य पेश हुए, जबकि डिप्टी अटॉर्नी जनरल शैला शर्मिन और असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल मो. अलामीन ने सरकार का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले 30 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के एक मामले में उन्हें जमानत प्रदान की थी। 31 अक्तूबर 2024 को चांदगांव मोहड़ा वार्ड इकाई के महासचिव फिरोज खान ने कोटवाली थाने में चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी और 19 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज कराया था। इस मामले में चिन्मय दास और कई -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

# विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा तेलंगाना का विकास : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में कहा कि राज्यों के विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है और तेलंगाना का विकास विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा। केंद्र सरकार राज्यों के तेज विकास को अपनी योजनाओं का केंद्र बिंदु मानकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने रविवार को हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एचआईसीसी) से वर्चुअल माध्यम से 9,400 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना का सामर्थ्य राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक भी है। यहां के आसपास के क्षेत्र को देश का बड़ा विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में कई बड़े प्रकल्प शुरू किए जा रहे हैं, जिनसे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस समय सुधार और आधुनिक बुनियादी ढांचे की *एक्सप्रेस* पर आगे बढ़ रहा है। जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र का विकास इसी सोच का हिस्सा है। यह क्षेत्र एक औद्योगिक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा, बेहतर विद्युत आपूर्ति और उन्नत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी नेटवर्क उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर के निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास पर हजारों करोड़ रुपए खर्च कर रही है और इससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यहां बनने वाले वाहन, मशीनरी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों और श्रमिकों को भी सशक्त करेंगे। प्रधानमंत्री ने वारंगल पीएम मित्र पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपने वस्त्र उद्योग की ऐतिहासिक विरासत को फिर से मजबूत कर रहा है। पीएम मित्र पार्क देश में वस्त्र क्रांति को नई गति देगा और यहां स्थापित होने वाली इकाइयों को केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का भी लाभ मिलेगा। इससे विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में आधुनिक संपर्क व्यवस्था केंद्र सरकार की बड़ी प्राथमिकताओं में रही है। सड़क, रेलवे और हवाई अड्डों के विकास पर अभूतपूर्व निवेश किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर करीब पौने दो लाख करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जिसका लाभ तेलंगाना को भी मिला है। पिछले 11 वर्षों में तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना हुआ है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण से यात्रा समय कम होगा और माल ढुलाई की लागत में भी कमी आएगी।

# विजय के सीएम बनने में हो रही थी देरी टीवीके कार्यकर्ता ने खुद को लगाई आग

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के एक पदाधिकारी ने आत्मदाह करने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार, पदाधिकारी ने पार्टी प्रमुख विजय के मुख्यमंत्री बनने में हो रही देरी से परेशान होकर जान देने की कोशिश की। यह घटना शनिवार को महाराजापुरम जंक्शन के पास की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 47 वर्षीय इसक्कियप्पन टीवीके की पुथुमनई गांव शाखा के सचिव हैं। घटना के समय वह कथित तौर पर नशे की हालत में था। जानकारी के मुताबिक, इसक्कियप्पन पिछले कुछ समय से पार्टी की राजनीतिक प्रगति की धीमी रफ्तार को लेकर मानसिक तनाव में भी था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कुछ महीने पहले उन्होंने विजय की चुनावी जीत सुनिश्चित करने की मन्नत के रूप में अपने शरीर में 16 फीट लंबा *वेल* (भाला) आर-पार कर धार्मिक अनुष्ठान किया था, जिसके बाद वह स्थानीय स्तर पर चर्चा में आए थे। शनिवार को उन्होंने अचानक अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें बचाने की कोशिश की और किसी तरह आग बुझाई। घायल अवस्था में इसक्कियप्पन को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, बाद में बेहतर इलाज के लिए कन्याकुमारी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज चल रहा है। पलावूर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पूरे घटनाक्रम और आत्मदाह के कारणों की जांच कर रही है।

## नगांव के कठियातली में भीषण सड़क हादसा, साइकिल सवार की मौत

**नगांव ( हिंस )।** नगांव जिले के कठियातली इलाके में शनिवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि तेज रफ्तार एक मालवाहक ट्रक ने साइकिल सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में निरंजन नाथ नामक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कृष्ण मिलिक नामक एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, दोनों व्यक्ति कठियातली के कठालगुरी क्षेत्र के निवासी हैं। दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन का नंबर एएस-02-सीसी-0321 बताया गया है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## असम पहुंचे भाजपा के दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों का स्वागत

**गुवाहाटी ( हिंस )।** भाजपा विधायक दल के नेता के चयन से पहले असम पहुंचे पार्टी के दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों का निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सहित प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेताओं ने भव्य स्वागत किया। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की प्रक्रिया के लिए बीती रात गुवाहाटी स्थित वाजपेयी भवन पहुंचे। भाजपा विधायक दल की बैठक रविवार सुबह 10 बजे आयोजित होगी। इस बैठक में भाजपा विधायक विधायक दल के नेता तथा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का चयन करेंगे।

## दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम पुलिस के अंतर्गत वशिष्ठ थाना पुलिस ने लंबे समय से विभिन्न इलाकों में छिनताई की घटनाओं को अंजाम देकर आतंक फैलाने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बशिष्ठ पुलिस ने आज बताया है कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश ग्वाला और सुमित कुमार के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपी लंबे समय से असम के विभिन्न स्थानों पर महिलाओं की चेन छीनने तथा बैंक से पैसे निकालकर लौट रहे लोगों से नकदी लूटने जैसी घटनाओं में शामिल थे।

## भारत में संसद नहीं, संविधान सर्वोच्च : पूर्व सीजेआई

**कॉलोंबो।** भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र सत्ता के किसी एक केंद्र के इर्द-गिर्द स्थित नहीं होता है और देश में संसद नहीं, बल्कि संविधान सर्वोच्च है। कोलंबो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 19वें सुजाता जयवर्धना स्मृति व्याख्यान में, न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि संसद और न्यायपालिका के बीच टकराव के कारण ऐसे संघर्षों के प्रबंधन के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों और सिद्धांतों का विकास हुआ है। पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि संसद (विधायिका), कार्यपालिका (सरकार) और न्यायपालिका नहीं, बल्कि संविधान सर्वोच्च है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तीनों को संविधान से अधिकार प्राप्त होता है और तीनों इससे बंधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र सत्ता के किसी एक केंद्र के इर्द-गिर्द स्थित नहीं होता। यह ऐसी व्यवस्था नहीं है, जिसमें कोई एक संस्था असीमित अधिकार का प्रयोग करती हो। बल्कि, यह एक सुनियोजित व्यवस्था है, जिसमें शक्ति का वितरण किया जाता है और सीमा तय की जाती है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में संसद किसी भी अर्थ में सर्वोच्च नहीं है। न ही कोई अन्य संस्था सर्वोच्च है। संविधान केवल अपनी सर्वोच्चता को ही मान्यता देता है। सभी संस्थाएं अपना अधिकार इससे प्राप्त करती हैं और सभी इसकी सीमाओं से बंधी हुई हैं। संविधान सभा में दिये गए डॉ. भीमराव आंबेडकर के भाषण का हवाला देते हुए गवई ने कहा कि प्रत्येक संस्था का अपना कार्यक्षेत्र है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक संस्था अपने कार्यक्षेत्र में सर्वोच्च है, लेकिन केवल संविधान द्वारा अनुमति प्राप्त सीमा तक ही। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संसद और न्यायपालिका के बीच संबंध हमेशा टकरावपूर्ण नहीं होते। उन्होंने कहा कि कई बार यह सहयोगात्मक होता है, जहां न्यायिक नवाचार संवैधानिक कमियों को उजागर करता है और संसद लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर उन सिद्धांतों को संस्थागत रूप देकर प्रतिक्रिया करती है।

# *पृष्ठ एक का शेष*

### *हिमंत चुने गए असम...*

नड्डा ने विधायक दल की बैठक में विधायकों से परामर्श के बाद डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को राजग विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का नाम आठ वरिष्ठ विधायकों ने प्रस्तावित किया। रंजीत कुमार दास, विश्वजीत दैमारी, अजंता नेउग, रामेश्वर तेली, राजदीप राय, अशोक सिंघल, पीयूष हजारिका, चक्रधर गोगोई ने उनके नाम का अनुमोदन किया। इसके बाद जेपी नड्डा ने डॉ. शर्मा के नाम की घोषणा की। विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा होते ही भारत माता की जय, जय श्री राम के नारों से पूरा भाजपा मुख्यालय गूंज उठा। राजग नेत असम गण परिषद (अगप) के नेता अतुल बोरा एव बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) रिहन दैमारी ने भी प्रस्ताव दिया। मंच पर दोनों पर्यवेक्षकों के साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, प्रदेश भाजपा प्रभारी, प्रदेश सांगठनिक महासचिव, अगप के अध्यक्ष अतुल बोरा, बीपीएफ के नेता रिहन दैमारी समेत अन्य कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 126 सीटों में से 82 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि, सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) 10 और बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 10 समेत कुल 102 सीटों पर एनडीए ने जीत हासिल की है। उल्लेखनीय है कि आगामी 12 मई को गुवाहाटी के खानापाड़ा खेल मैदान में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। डॉ. शर्मा कुछ देरबाद भाजपा मुख्यालय से लोक भवन के लिए रवाना होंगे। राज्यपाल से मिलकर अपनी सरकार के गठन के लिए दावा पेश करेंगे।

### *डॉ. शर्मा ने पीएम मोदी ...*

सुशासन और शांति की यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए टीम एनडीए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि *आई असोमी* की सेवा के लिए वह सप्ताह के हर घंटे समर्पित रहेंगे और असम की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि मां कामाख्या के आशीर्वाद, जनता के प्रेम और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण, सुरक्षित और विकसित असम के निर्माण की यात्रा और अधिक सशक्त रूप से आगे बढ़ेगी।

### *अब हाई कमान लेगा ...*

पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने निर्णायक जीत हासिल करते हुए विपक्ष की 75 सीटों के मुकाबले 102 सीटें जीतीं। भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद (अगप) और बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीओपीएफ) को 10-10 सीटें प्राप्त हुईं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन मित्राजूत को 19 सीटें, रायजोर दल को 2 सीटें और अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एयूडीएफ) को 2 सीटें मिलीं। असम जातीय परिषद (एजेपी) को एक भी सीट नहीं मिली। विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिससे असम में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का गठन संभव हो गया। असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने 7 मई को घोषणा की कि नई राज्य सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को सुबह 11:00 बजे गुवाहाटी के खानापाड़ा मैदान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सैकिया ने कहा कि यह समारोह चुनावों में एनडीए के मजबूत प्रदर्शन के बाद बनी नई सरकार के गठन का प्रतीक होगा।

### *ममता बनर्जी को झटका...*

खिलाफ एकजुट होने की अपील करती हूं। राष्ट्रीय दलों के साथ-साथ मैं वामपंथी और अति-वामपंथी दलों से भी बंगाल और दिल्ली में साथ आने का आग्रह करती हूं। अगर कोई राजनीतिक दल मुझसे बात करना चाहता है, तो मैं उपलब्ध हूं। हमें याद रखना चाहिए कि हमारा पहला दुश्मन भाजपा है। ममता बनर्जी की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा (सीपीआई-एम) के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा, बिल्कुल नहीं। हम किसी ऐसे व्यक्ति को स्वीकार नहीं करेंगे जिसकी पहचान अपराध, उगाही, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति से जुड़ी हो। हम जनता और हाशिये पर खड़े लोगों के साथ रहेंगे। कांग्रेस प्रवक्ता सौम्य आइच रॉय ने ममता बनर्जी के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमें अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा। आपने राष्ट्रीय दलों, वामपंथियों और अति-वामपंथियों को साथ आने को कहा। अति-वामपंथी से आपका क्या मतलब है? क्या आप माओवादियों की बात कर रही हैं, जिन्होंने 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के 18 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी थी। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पूरे देश में भाजपा के खिलाफ लड़ रही है, लेकिन ममता बनर्जी ने वर्षों तक कांग्रेस और वाम दलों को खत्म करने की कोशिश की। रॉय ने कहा कि 2016 में जब हमने गठबंधन किया था तब आपने हमें तरह-तरह के नामों से पुकारा। हालिया चुनावों में भी हमारे खिलाफ दुष्प्रचार किया। इतने वर्षों तक आपने हमें खत्म करने की कोशिश की और इससे भाजपा का रास्ता और मजबूत हुआ। अब आप चाहती हैं कि हम आपके साथ खड़े हों। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राज्य सचिव स्वपन बनर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी के साथ हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं उठता। उनके शासनकाल में लोकतंत्र खतरे में था। उनकी कार्यशैली इतनी तानाशाही रही कि चुनाव हारने के बाद भी उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया। वहीं, सीपीआई-एमएल (लिबरेशन) के राज्य सचिव अभिजीत मजूमदार ने कहा कि, ममता बनर्जी हमेशा दक्षिणपंथी राजनीति का प्रतिनिधित्व करती रही हैं और उनका शासन दमनकारी रहा है। उन्होंने कहा कि वाम शक्तियों को एकजुट होकर बड़ी राजनीतिक लड़ाई की तैयारी करनी चाहिए।

### *सीएम विजय की शपथ...*

में हुआ, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। हालांकि, समारोह की एक खास बात यह थी कि इसकी शुरुआत तमिलनाडु के आधिकारिक गीत *तमिल थाई वाझथु* के बजाय राष्ट्रगान *वंदे मातरम* से हुई। समारोह की शुरुआत वंदे मातरम के सभी छह श्लोकों के गायन से हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान *जन गण मन* और राज्य गीत गाया गया। यह केंद्रीय गृह मंत्रालय के 28 जनवरी के निर्देश के अनुरूप था, जिसमें कहा गया था कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम का मूल संस्करण सभी आधिकारिक समारोहों में राष्ट्रगान से पहले पूर्ण रूप से गाया जाना चाहिए। हालांकि, इस निर्देश पर विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। संयोगवश, विजय के शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम का वादन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की उपस्थिति में हुआ, जिन्होंने सरकार के इस निर्देश की कड़ी आलोचना की थी। इस कदम को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए एक संदेश के रूप में देखा जा सकता है, जिसने कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर वंदे मातरम के उन छंदों को हटाने के लिए सांप्रदायिक एजेंडा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था, जिनमें देवी दुर्गा की स्तुति की गई थी। भाजपा के आरोपों ने भारी राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया था और भाजपा तथा गांधी परिवार की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएं आई थीं। इस बीच, विजय के शपथ ग्रहण समारोह में *तमिल थाई वाझथु* से पहले वंदे मातरम बजाने के फैसले की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने आलोचना की है। सीपीआई के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने कहा कि तमिलनाडु सरकार को इस गलती के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करते हुए सार्वजनिक स्पष्टीकरण देना चाहिए। वीरपांडियन ने कहा कि इस संदर्भ में, लोक भवन के निर्देशों के तहत कथित तौर पर लिया गया यह निर्णय कि तमिलनाडु सरकार द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के कार्यक्रम में वंदे मातरम को प्रमुख स्थान दिया गया और तमिल प्रार्थना को तीसरे स्थान पर रखा गया, स्थापित परंपरा का उल्लंघन है।

### *पेट्रोलियम उत्पादों का ...*

का काम तेजी से बढ़ाया गया है। सरकार पहले देश के हर घर तक एलपीजी पहुंचाने पर काम कर रही थी और अब पाइप गैस को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही सीएनजी आधारित व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इन सभी प्रयासों की वजह से भारत दुनिया के बड़े ऊर्जा संकट का मजबूती से सामना कर पा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को केंद्र के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग दलों की सरकार होना गलत नहीं है, लेकिन राज्य और देश के विकास के लिए साथ मिलकर काम करना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर राज्य आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने *विकसित भारत 2047* का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना हो गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले संयुक्त आंध्र प्रदेश के लिए रेलवे बजट 1,000 करोड़ रुपए से भी कम हुआ करता था, जबकि आज अकेले तेलंगाना के लिए रेलवे बजट 5,500 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि राज्य में करीब 50 हजार करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया, जिनमें राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे मल्टी ट्रैकिंग, ग्रीनफील्ड पेट्रोलियम टर्मिनल और पीएम मित्रा पार्क शामिल हैं।

### *बेंगलुरु में पीएम के ...*

से जिलेटिन स्टिक बरामद की गईं। पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम से पहले अनिवार्य स्वच्छता अभियान के दौरान ये स्टिक मिलीं। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और मौजूदा बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत कर दिया गया। जल्द ही, स्टिक को सुरक्षित करने और आसपास के क्षेत्र की दोबारा तलाशी लेने के लिए बम निरोधक एवं पहचान दस्ते (बीडीडीएस) को मौके पर तैनात किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोटकों के स्रोत का पता लगाने और यह जानने के लिए व्यापक जांच शुरू कर दी गई है कि क्या उन्हें वीवीआईपी की आवाजाही के समय जानबूझकर रखा गया था। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और पुलिस स्थानीय निर्माण संबंधी लापरवाही या जानबूझकर सुरक्षा खतरे सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि इन विस्फोटकों के स्रोत और कार्यक्रम स्थल के पास इनकी मौजूदगी के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने सेवा, आध्यात्मिकता और सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की भूमिका की सराहना की और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व, युवा सशक्तिकरण और आंतरिक कल्याण के माध्यम से एक विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

### *मैं 90 प्रतिशत सोशल ...*

गाड़ियों की तुलना में ईवी के लिए ज्यादा इंतजार करना पड़ता है। दूसरी ओर, एक्टर आमिर खान, नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे महाराष्ट्र के विदर्भ इलाके में पानी बचाने और ग्राउंडवाटर को फिर से ठीक करने पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की *पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था* के दो दिन की कांफ्रेंस में हिस्सा लेंगे। पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था ने अपनी सिल्वर जुबली के मौके पर 17 और 18 मई को यहां *जल संवाद* और *जलक्रांति परिषद* आयोजित की गई। गडकरी ने रविवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इस इवेंट में विदर्भ को किसानों की आत्महत्या से बचाने के लिए पानी बचाने के तरीकों पर बात होगी। पूरे विदर्भ से किसानों, सरपंचों और लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। गडकरी ने कहा कि वह और दूसरे लोग पिछले 25 सालों से पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था के तहत विदर्भ में पानी की कमी और सिंचाई की दिक्कतों को दूर करने और किसानों को फाइनेंशियल स्टेबिलिटी देने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑर्गनाइजेशन का मुख्य मकसद गांव और खेती के सेक्टर को डेवलप करना है। उन्होंने यह भी कहा कि ऑर्गनाइजेशन का बनाया *तमसवाड़ा रिजुविनेशन मॉडल* आज पूरे देश में पहचाना जा रहा है। सेलू तालुका में लगभग 12 किलोमीटर लंबे, लगभग खत्म हो चुके तमसवाड़ा *नाले* को चुना गया और उसे ठीक किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट की प्लानिंग धुले जिले में शिरपुर पैटर्न की स्टडी करके और जियोलॉजिस्ट की मदद से की गई थी।

### *बंगाल में टीएमसी नेता...*

बताया जा रहा है कि सहदेव बाग जिनकी उम्र 40 साल थी वो कल से लापता थे। रविवार (10 मई) को उनका शव टीएमसी कार्यालय के पास मिला। मृतक के परिवार ने भाजपा पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक एक स्थानीय पंचायत सदस्य के पति थे। उनकी पत्नी चीना बाग नकुंडा पंचायत से तृणमूल कांग्रेस की सदस्य हैं। मृतक की पत्नी ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद उनके पति को लगातार धमकियां मिल रही थीं। उन्होंने बताया कि सहदेव कल रात घर से निकले थे और वापस नहीं लौटे। वहीं आज सुबह इलाके के लोगों ने सहदेव का शव पड़ा हुआ देखा। शव के सिर पर चोट के निशान थे वहीं शव के पास एक मुगुर भी मिला है। मृत्यु की खबर फैलते ही इलाके में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस फिलहाल इस मामले की तफ्तीश में जुट गई है और लोगों से पूछताछ कर रही है। इस घटना से मृतक के परिवार में मातम छा गया है। इधर राज्य में नवगठित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद पूर्वी मिदनापुर के खेजुरी में फिर से तनाव बढ़ गया। शनिवार रात को खेजुरी के अंतर्गत आने वाले हिजली शरीफ गांव में बड़े पैमाने पर आगजनी और तोड़फोड़ की घटना हुई। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को इस घटना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा द्वारा संरक्षित उपद्रवियों ने सुनियोजित तरीके से 60 से अधिक दुकानों को जला दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए तंज किया कि क्या यह भय की राजनीति के अंत का उदाहरण है। अपनी पोस्ट में टीएमसी नेता ने कहा कि हिंदू हों या मुसलमान, सभी दुकानें जला दी गई हैं। आम लोगों की जान खतरे में है। उन्होंने कहा कि क्या डर को भगाने की राजनीति इसी तरह चलती रहेगी? बंगाल को जलाकर? खेजुरी की तलहटी में स्थित हिजली शरीफ गांव में जो हुआ, वह एक शब्द में बर्बरता है। भाजपा समर्थित उपद्रवियों ने 60 से अधिक दुकानें जला दीं। पल भर में अनगिनत आम लोगों ने अपनी रोजी-रोटी खो दी। उन्होंने आगे कहा कि चाहे हिंदू दुकानें हों या मुसलमान, किसी को नहीं बख्शा गया।

### *अमित शाह ने लू से ...*

नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करने से इनके कार्यान्वयन को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने एनडीएमए को एक अध्ययन करना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने राज्य वन अग्नि, लू और बाढ़ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के निर्देशों और एनडीएमए के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल भंडारण और चेक डैम परियोजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार की अधिक संभावनाओं का पता लगाया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य नदियों पर चेक डैम बनाकर जल संरक्षण करना और साथ ही लू के प्रभाव को कम करना होना चाहिए। इसके अलावा, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों को अधिक बहुआयामी बनाने के लिए कैम्पा फंड का उपयोग किया जाना चाहिए। शाह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के बदलते स्वरूप और उससे उत्पन्न होने वाली आपदा संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए *संपूर्ण सरकारी* और *संपूर्ण सामाजिक* दृष्टिकोण अपनाते हुए एक व्यापक योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों से नए ऐप और पोर्टल बनाने के बजाय मौजूदा ऐप और पोर्टलों को सुदृढ़ और बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हमारी मौसम संबंधी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंचें। इस बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय गृह सचिव, विभिन्न मंत्रालयों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य और विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष सहित अन्य राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (एनआरएससी) और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

### *बांग्लादेश में हाईकोर्ट का ...*

अन्य लोगों को उसी वर्ष 25 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। राजद्रोह के मामले में उनकी जमानत याचिका खारिज होने के बाद 26 नवंबर 2025 को चटगांव कोर्ट परिसर में उनके समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के बीच झड़पें हुईं। इस हिंसा के दौरान, वकील सैफुल इस्लाम को पीट-पीटकर और धारदार हथियारों से हमला कर मार डाला गया था। 1 सितंबर 2025 को उच्च न्यायालय ने एक आदेश जारी कर पूछा था कि चिन्मय दास को हत्या के मामले सहित पांच अलग-अलग मामलों में जमानत क्यों नहीं दी जानी चाहिए। चट्टोग्राम की एक अदालत ने इसी साल 17 अप्रैल ब्रह्मचारी को एक मामले में जमानत प्रदान की थी। चिन्मय ब्रह्मचारी नवंबर 2024 से सलाखों के पीछे हैं। उन्हें चट्टोग्राम जेल में रखा गया है। जिस मामले में उन्हें जमानत प्रदान की गई थी, वह बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नेता और पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन ने 2023 में दर्ज कराया था। उन्होंने अपनी शिकायत में ब्रह्मचारी पर हाथजारी उपजिला के मेखला इलाके में जमीन पर कब्जा करने, धमकाने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास और पांच अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया था। ब्रह्मचारी के खिलाफ वकील सैफुल इस्लाम अलीफ की हत्या का मामला भी चल रहा है, जिस पर उच्च न्यायालय ने आज उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया। इसके अलावा उन पर कम से कम छह अन्य मामले भी विचाराधीन हैं। एक जुलाई, 2025 को पुलिस ने वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या के सिलसिले में चिन्मय और 38 अन्य लोगों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इससे पहले दो जनवरी को अदालत ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा ने 25 नवंबर की शाम 4:30 बजे हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से हिरासत में लिया था। ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में ढाका के शाहबाग और चटगांव में कई दिनों तक लोगों ने प्रदर्शन किया था। लगभग 40 वर्षीय हिंदू संत चिन्मय को देशद्रोह के गंभीर आरोप का सामना करना पड़ा रहा है। चिन्मय मूल रूप से चटगांव के सतकनिया उपजिला के रहने वाले हैं। वह 2007 से चटगांव के हथाजारी स्थित पुंडरीक धाम के प्रमुख रहे हैं। वह सनातन जागरण मंच के संस्थापक हैं। मंच ने बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न का मुद्दा प्रमुखता से उठाया है।

### *राजस्थान में गैस...*

उसके साथ मौजूद दो बच्चियों को बाहर निकलने का अवसर नहीं मिला। सेदड़ा पुलिस थाना अधिकारी हरिराम जाट के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब हुआ है। आग फैलने और तीनों के जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्हें बाहर नहीं निकाला जा सका। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिए गए।

### *नाबालिग से यौन शोषण ...*

किया। अनुराधापुरा की अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। लड़की की मां को भी गिरफ्तार किया गया है। उस पर आरोप है कि उसने इस मामले में बौद्ध भिक्षु की मदद की। पुलिस प्रवक्ता एफटी वूटलर ने बताया कि पीड़ित लड़की की उम्र अब 15 साल है। आरोप है कि उसके साथ अनुराधापुरा के मंदिर परिसर में यौन शोषण किया गया। इस मामले की शिकायत मार्च में दर्ज कराई गई थी। शुरुआत में मामला नाबालिग लड़की के अपहरण और उसे जबरन रोककर रखने का था। लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को यौन शोषण की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, हेमरत्ना को राजधानी कोलंबो के एक निजी अस्पताल से पकड़ा गया। वह वहां इलाज करा रहे थे। कोलंबो, अनुराधापुरा से करीब 200 किमी दूर है। हेमरत्ना, अटामास्थान नाम के पवित्र बौद्ध स्थलों के मुख्य भिक्षु हैं। ये जगह श्रीलंका के सबसे अहम धार्मिक स्थलों में गिनी जाती है और यहां हर साल हजारों श्रद्धालु आते हैं। इससे पहले श्रीलंका में बौद्ध भिक्षुओं से जुड़ा एक और बड़ा मामला सामने आया था। 28 अप्रैल 2026 को कोलंबो एयरपोर्ट पर 22 बौद्ध भिक्षुओं को 110 किलो से ज्यादा गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, ये सभी भिक्षु थाईलैंड से लौट रहे थे। उनके सूटकेस में खास तरीके से नकली तली बनाकर गांजा छिपाया गया था। हर बैग में 5 किलो से ज्यादा गांजा मिला था। अधिकारियों का कहना था कि यह एयरपोर्ट पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी में से एक है। जब्त गांजे की कीमत करीब 34.5 लाख डॉलर यानी लगभग 110 करोड़ रुपए बताई गई है।

## गुवाहाटी के बशिष्ठ में भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की मौके पर मौत

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के बशिष्ठ इलाके में हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि हादसा उस समय हुआ जब एक वाहन खानापाड़ा से जालुकबाड़ी की ओर जा रहा था। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और यातायात विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा शवों को अपने कब्जे में लिया। मृत दोनों युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। बशिष्ठ यातायात पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

## कछार में पुलिस के अभियान में 2.82 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त

**कछार ( हिंस )।** कछार पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में संदिग्ध हेरोइन बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। कछार के पुलिस अधीक्षक ने रविवार को बताया कि जब्त किए गए मादक पदार्थों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2.82 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पहला अभियान सोनाई थाना क्षेत्र के गस्तोला तिनिआली के समीप चलाया गया। पुलिस को अवैध रूप से एनडीपीएस प्रतिबंधित पदार्थ ले जाए जाने की सूचना मिली थी। अभियान के दौरान रियाज उद्दीन लस्कर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से सात साबुनदानी में छिपाकर रखी गई संदिग्ध हेरोइन बरामद हुई। जब्त हेरोइन का कुल वजन 123.51 ग्राम पाया गया। इसके अलावा आरोपी के कब्जे से 40 हजार रुपए नकद भी बरामद किए गए। वहीं, दूसरे अभियान में लैलापुर पुलिस चौकी के सामने नाका जांच के दौरान एएस-11जेड-7991 नंबर की एक स्कूटी को रोका गया। तलाशी लेने पर स्कूटी की डिक्की से 33 बहुरंगी साबुनदानी में छिपाकर रखी गई संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। यह मादक पदार्थ जियाबुर रहमान लस्कर के कब्जे से जब्त किया गया। बरामद हेरोइन का कुल वजन 441.09 ग्राम बताया गया है।

# बीटीसी समझौते की भावना और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ता विवाद

### भूमि पंजीकरण प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल, 2003 से पहले के निवासियों को भी हो रही परेशानी

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) समझौते की मूल भावना क्षेत्र में वर्षों से रह रहे सभी वैध निवासियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। 10 फरवरी, 2003 तक बोड़ोलैंड क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को स्थायी निवासी मानने का प्रावधान के उद्देश्य के तहत किया गया था। लेकिन वर्तमान समय में भूमि पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर जिस प्रकार के आरोप सामने आ रहे हैं, उसने प्रशासनिक व्यवस्था और समझौते के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आम जनता और अखिल हिंदीभाषी विकास परिषद फकीराग्राम आंचलिक इकाई ने आज बताया है कि भूमि पंजीकरण के दौरान बीटीसी समझौते की वास्तविक भावना का

पालन नहीं किया जा रहा है। नियमों के अनुसार वर्ष 2003 अथवा उससे पहले की मतदाता सूची में नाम होना क्षेत्रीय निवास का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जाना चाहिए, क्योंकि बीटीसी प्रमुख हग्रमा मोहिलारी हमेशा यह कहते हैं कि 10 फरवरी, 2003 तक जो भी बीटीसी में रह रहे थे वे सभी बीटीसी के निवासी हैं लेकिन कई मामलों में लोगों को अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा जा रहा है। इससे आम नागरिकों को लगातार प्रशासनिक जटिलताओं और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी इलाकों से भी ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं, जहां परिवार दशकों से बोड़ोलैंड क्षेत्र में रह रहे हैं। उनके पास पुराने वोटर लिस्ट, राजस्व रसीद, भूमि संबंधी दस्तावेज और अन्य प्रमाण मौजूद हैं, फिर भी भूमि पंजीकरण की प्रक्रिया सरल नहीं हो पा रही है। लोगों का आरोप है कि बार-बार नए प्रमाण मांगे जाने से प्रक्रिया लंबी और जटिल बनती जा रही है। सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि यदि 2003 से पहले के दस्तावेजों को पर्याप्त आधार नहीं माना जाता, तो यह बीटीसी समझौते की मूल भावना के विपरीत है। उनका कहना है कि समझौते का उद्देश्य क्षेत्र के सभी वैध निवासियों को समान अधिकार और सुरक्षा प्रदान करना था, न कि उन्हें अनावश्यक प्रशासनिक कठिनाइयों में उलझाना। इस मुद्दे को लेकर अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी बहस तेज हो गई है। विभिन्न संगठनों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि भूमि पंजीकरण को लेकर स्पष्ट, पारदर्शी और एक समान नीति लागू की जाए ताकि वास्तविक निवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भूमि केवल संपत्ति का विषय नहीं है, बल्कि यह लोगों की पहचान, अस्तित्व और भविष्य से जुड़ा मामला है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह बीटीसी समझौते की भावना का सम्मान करते हुए भूमि पंजीकरण प्रक्रिया को न्यायसंगत, पारदर्शी और सरल बनाए, ताकि लोगों का भरोसा व्यवस्था पर कायम रह सके। अब देखना है कि बीटीसी प्रशासन इस मामले में कौन सा कदम उठाता है।

## हिमंत विश्व शर्मा का नेता चुना जाना असम के लिए सौभाग्य की बात : अतुल बोरा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा ने रविवार को कहा कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का भाजपा विधायक दल और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल का नेता चुना जाना असम के लिए *सौभाग्य की बात* है। गुवाहाटी में नवनिर्वाचित राजग विधायकों की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोरा ने कहा कि राज्य के लिए यह गर्व और सौभाग्य की बात है कि डॉ. शर्मा जैसे अनुभवी नेता को दोनों विधायक दलों का नेतृत्व सौंपा गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. शर्मा के नेतृत्व में राजग सरकार विकास कार्यों को और आगे बढ़ाएगी। इस बीच भाजपा विधायक शिलादित्य देव ने भी डॉ. शर्मा के नेतृत्व का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें पार्टी के सभी नेताओं का पूरा समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि डॉ. शर्मा अपने वादों को निभाने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं। रविवार को गुवाहाटी में आयोजित नवनिर्वाचित राजग विधायकों की बैठक में डॉ. शर्मा को औपचारिक रूप से भाजपा विधायक दल और राजग विधायक दल का नेता चुना गया।

## मुख्यमंत्री चुने जाने पर हिमंत को प्रदेश अध्यक्ष सैकिया ने दी शुभकामनाएं

**गुवाहाटी ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश के अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को दूसरी बार भाजपा विधायक दल तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) गठबंधन का नेता चुने जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। मंगलवार को गुवाहाटी स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित बैठक में भाजपा नेतृत्वाधीन राजग गठबंधन के समर्थन से निर्वाचित 102 विधायकों ने सर्वसम्मति से डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को विधायक दल का नेता चुना। बैठक में असम गण परिषद (अगप), बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ), राभा-हासोंग संयुक्त मंच समेत अन्य सहयोगी दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक में केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी, संगठन महामंत्री जीआर रवींद्र राजू, अगप अध्यक्ष अतुल बोरा तथा बीटीसी के उप मुख्य कार्यकारी सदस्य रिहन दैमारी सहित कई नेता बैठक में उपस्थित थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने अपने बयान में कहा कि असम की जनता ने एक बार फिर डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व तथा राजग सरकार पर भरोसा जताया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. शर्मा के नेतृत्व में आने वाले पांच वर्षों में राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। विधायक दल की बैठक समाप्त होने के बाद डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राजभवन जाकर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की और नई सरकार गठन का दावा पेश किया। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 12 मई को सुबह 11 बजे गुवाहाटी के खानापाड़ा पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित होगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा कई केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा एवं एनडीए शासित 22 राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल होंगे। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले असम के चौथे नेता बनेंगे। भाजपा नेताओं ने इसे राज्य में विकास और सुशासन के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक बताया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने 102 सीटों के प्रचंड जनादेश के लिए असम की जनता का आभार व्यक्त किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल समेत पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रदेश भाजपा ने जानकारी दी कि शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी, भाजपा बूथ अध्यक्ष, पंचायत प्रतिनिधि, विभिन्न बोर्ड-निगमों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, स्वायत्त परिषदों के पदाधिकारी तथा पार्टी के विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता भी शामिल रहेंगे।

## परिवर्तनशील पूर्वोत्तर : विकास, संपर्क और सांस्कृतिक गौरव का नया युग

*— श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य,*

भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि के कारण राष्ट्र की अमूल्य धरोहर रहा है। विविध जनजातीय परंपराएं, मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य, अद्वितीय लोक-संस्कृति और अपार संभावनाओं से परिपूर्ण यह क्षेत्र लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से अपेक्षाकृत दूर रहा। किंतु बीते एक दशक में पूर्वोत्तर का अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में असम सहित सम्पूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, संपर्क, शांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए युग में प्रवेश कर चुका है। हम सब जानते हैं कि दशकों तक पूर्वोत्तर क्षेत्र संपर्क, आधारभूत संरचना की कमी तथा देश के अन्य हिस्सों से अलगाव जैसी चुनौतियों से जूझता रहा। किंतु क्षेत्र के सामरिक महत्व और अपार संभावनाओं को पहचानते हुए भारत सरकार ने इसके विकास के लिए सक्रिय और समग्र दृष्टिकोण अपनाया। इस परिवर्तन के केंद्र में *एक्ट ईस्ट नीति* रही है, जिसने पूर्वोत्तर को केवल सीमांत क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में पुनर्परिभाषित किया है। *एक्ट ईस्ट नीति* ने पड़ोसी देशों के साथ भौतिक और आर्थिक संपर्क को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक पहचान को भी नई मजबूती प्रदान की है। राजमार्गों, रेलमार्गों, अंतर्देशीय जलमार्गों और हवाई संपर्क जैसी प्रमुख आधारभूत परियोजनाओं में तीव्र गति से प्रगति हुई है। पुलों के निर्माण और सीमा व्यापार अवसंरचना के विकास से लॉजिस्टिक्स में सुधार हुआ है तथा क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा मिला है। पूर्वोत्तर राज्यों तक बेहतर रेल संपर्क और उड़ान योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विस्तार जैसी पहलों ने इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर और अधिक निकट ला दिया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा पूर्वोत्तर के लिए निधियों के प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि संसाधनों का केवल पर्याप्त आवंटन ही न हो, बल्कि उनका प्रभावी उपयोग भी सुनिश्चित हो। विभिन्न मंत्रालयों को अपने सकल बजटीय समर्थन (जीबीएस) का एक निश्चित प्रतिशत पूर्वोत्तर के लिए निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में प्रमुख योजनाएं दूरदराज के इलाकों तक पहुंची हैं, जिससे समुदायों को सशक्त बनाने और जीवन स्तर सुधारने में सहायता मिली है। क्षेत्र में डिजिटल संपर्क को भी व्यापक बढ़ावा मिला है। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का विस्तार, बेहतर मोबाइल संपर्क और डिजिटल सेवाओं की ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, वित्तीय सेवाओं और शासन संबंधी प्लेटफॉर्म तक पहुंच को आसान बनाया है। इससे समावेशन को बढ़ावा मिला है तथा असमानताओं में कमी आई है। इस परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण आधार शांति और स्थिरता पर दिया गया विशेष बल रहा है। सरकार ने विभिन्न हितधारकों के साथ सक्रिय संवाद स्थापित कर लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों के समाधान और उग्रवादी समूहों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया है। ऐतिहासिक शांति समझौतों और निरंतर संवाद ने अधिक सुरक्षित वातावरण तैयार किया है, जिससे निवेश और पर्यटन को प्रोत्साहन मिला है। कृषि, बागवानी, हस्तशिल्प और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में लक्षित निवेश के माध्यम से आधुनिक तकनीकों, बेहतर बाजार पहुंच और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। केंद्र सरकार के निरंतर समर्थन से जैविक खेती को प्रोत्साहन मिला है, जिसके परिणामस्वरूप पूर्वोत्तर सतत कृषि के केंद्र के रूप में उभर रहा है। स्टार्टअप और उद्यमिता को नीतिगत तथा वित्तीय सहयोग प्रदान कर क्षेत्र के युवाओं की नवाचार क्षमता को नई दिशा दी जा रही है। विशेष रूप से पर्यटन विकास का एक प्रमुख माध्यम बनकर उभरा है। अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जैव विविधता और अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत के कारण पूर्वोत्तर में इको-टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। सरकार ने आधारभूत संरचना सुधार, पर्यटन स्थलों के प्रचार और यात्रा प्रक्रियाओं को सरल बनाकर इस क्षेत्र को देश और दुनिया के पर्यटकों के लिए अधिक आकर्षक और सुलभ बनाया है। यद्यपि आधारभूत संरचना और आर्थिक विकास महत्वपूर्ण हैं, किंतु पूर्वोत्तर की वास्तविक शक्ति उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता में निहित है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से सरकार ने क्षेत्र की विशिष्ट संस्कृतियों के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष बल दिया है। गुवाहाटी में माननीय प्रधानमंत्री जी की गरिमामय उपस्थिति में बिहू, झुमुर और बागुरुम्बा नृत्य के भव्य आयोजनों द्वारा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करना केवल क्षेत्र की जीवंत परंपराओं और सामाजिक समरसता का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र की संस्कृति को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इन सांस्कृतिक धरोहरों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत करने के प्रयासों ने सांस्कृतिक गौरव को सुदृढ़ किया है तथा पूर्वोत्तर और देश के अन्य हिस्सों के बीच भावनात्मक एकता को और अधिक मजबूत बनाया है। इसके अतिरिक्त, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है। जोरहाट में महान आहोम सेनापति वीर लाचित बोरफुकन की 125 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा की स्थापना क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास और देशभक्ति की भावना को समर्पित एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि है। बटद्रवा थान सांस्कृतिक परिसर के विकास तथा महत्वाकांक्षी कामाख्या कॉरिडोर परियोजना जैसी पहलें असम और पूर्वोत्तर में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को नई गति दे रही हैं। साथ ही, चराइदेव के मोइदाम को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त होना असम की ऐतिहासिक विरासत की वैश्विक पहचान है। इस तरह के कार्यक्रमों से स्पष्ट होता है कि सरकार केवल आधारभूत संरचना और आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि पूर्वोत्तर की विशिष्ट पहचान, परंपराओं और विरासत के संरक्षण के लिए भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। युवा सशक्तिकरण भी इस विकास यात्रा की एक महत्वपूर्ण विशेषता रहा है। कौशल विकास कार्यक्रमों, उच्च शिक्षा संस्थानों और खेल अवसंरचना के विस्तार ने युवाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान किए हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पूर्वोत्तर के खिलाड़ियों की सफलता क्षेत्र की प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। महिला सशक्तिकरण को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों, उद्यमिता योजनाओं और लक्षित कल्याणकारी कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया है। *लखपति दीदी*, जिसे क्षेत्र में *लखपति बाइदेउ* के नाम से जाना जाता है, समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई है। सरकार की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन ने जनता का विश्वास मजबूत किया है तथा सुशासन को सुदृढ़ किया है। भविष्य की संभावनाओं पर दृष्टि डालें तो पूर्वोत्तर भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इसकी सामरिक स्थिति, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन और ऊर्जावान जनसंख्या विकास और नवाचार की अपार संभावनाएं प्रस्तुत करती है। सरकार का संपर्क, निवेश और मानव संसाधन विकास पर निरंतर ध्यान इस प्रगति को और भी गति प्रदान करेगा। पूर्वोत्तर का यह परिवर्तन केवल आधारभूत संरचना और आर्थिक सूचकांकों का नहीं, बल्कि आशा, आकांक्षा और नए आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। यह सरकार की समावेशी विकास के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता तथा इस विश्वास को दर्शाता है कि प्रत्येक क्षेत्र, प्रत्येक समुदाय और प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की प्रगति का अभिन्न अंग है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर वास्तव में *अष्ट लक्ष्मी* के रूप में उभरा है। अलगाव से एकीकरण और उपेक्षा से सशक्तिकरण तक की यह यात्रा प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक है। यह सिद्ध करती है कि दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास किस प्रकार एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। संक्षेप में कहूं तो आज असम सहित संपूर्ण पूर्वोत्तर आदरणीय प्रधानमंत्री जी के विजन *विकास भी, विरासत भी* को साकार करते हुए तेज गति से अग्रसर हो रहा है और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है।

## भाजपा नीत एनडीए विधायक दल की बैठक में नेता के चुनाव की तैयारी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आज भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की बैठक आयोजित होने जा रही है। बैठक में विधायक दल के नेता का चुनाव होगा। इसके बाद सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय पर्ववेक्षक के रूप में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं उप पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुवाहाटी पहुंच चुके हैं। वाजपेयी भवन में भाजपा एवं सहयोगी दलों के विधायक लगभग पहुंच चुके हैं। उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 126 सीटों में से 82 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि, सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) 10 और बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 10 समेत कुल 102 सीटों पर एनडीए ने जीत हासिल की है। विधायक दल की बैठक को लेकर भाजपा मुख्यालय में आज उत्सव सरीखा माहौल है। उल्लेखनीय है कि आगामी 12 मई को गुवाहाटी के खानापाड़ा खेल मैदान में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं।

## नगांव में हमीद अली के कबाड़खाना व घर से करोड़ों रुपए का चोरी का सामान बरामद

**नगांव ( हिंस )।** नगांव में पुलिस द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान हमीद अली और उसके पुत्र अजहार उद्दीन अली के कबाड़खाना तथा आवास से करोड़ों रुपए मूल्य के कथित चोरी के सामान बरामद किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। गुप्त सूचना के आधार पर बीती शाम को की गई इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में कीमती सामान जब्त किया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि मामले में संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने पिता-पुत्र दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद परिवार के सदस्य पुलिस के साथ तीखी बहस में उलझ गए, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, बाद में पुलिस ने हालात को नियंत्रित कर लिया। बरामद सामान का स्रोत क्या है और इस चोरी के नेटवर्क में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं, इसको लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

### उपलब्धि

विश्वनाथ जिले के विश्वनाथ चारिआल सदर के शांतिपुर के निवासी राजेश कुमार वर्मा तथा विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा के सुपुत्र शिवम् कुमार वर्मा को हाल ही में घोषित एमबीबीएस में राज्य स्तर में 112 स्थान प्राप्त हुआ है। वे लखीमपुर मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल के प्रथम बैच थे, जिन्हें कॉलेज में 7 वां स्थान प्राप्त हुआ है।

## रंगिया में मातृ दिवस के अवसर पर नवजात शिशुओं और प्रसूताओं का सम्मान

**रंगिया ( विभास )।** अग्रणी स्वेच्छासेवी संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रंगिया शाखा और जेसीआई रंगिया रॉयल्स ने रविवार को संयुक्त रूप से स्थानीय पॉली क्लिनिक एंड नर्सिंग होम तथा स्वस्ति अस्पताल में जन्मे 13 नवजातों और उनकी माताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान नवजात शिशुओं को आकर्षक उपहार पैकेट भेंट किए गए, जबकि माताओं को मच्छरदानी और वस्त्र देकर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की शाखा अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल के साथ मोनिका अग्रवाल, सुषमा सिकरीया, पायल लुंडिया, गुंजन लुंडिया, खुशबू सिकरीया, पायल अग्रवाल, ज्योति सराफ और शोभा सिकरीया उपस्थित रहीं। दोनों अस्पतालों के अधिकारी, चिकित्सक और कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। समिति की ओर से उन्हें असम की पहचान फुलाम गामोछा पहनाकर सम्मानित किया गया।

## नगांव में डकैती की घटना में घायल रूपरेखा भुइयां की मौत

**नगांव ( हिंस )।** नगांव के मरिकलंग इलाके में डकैतों के हमले में गंभीर रूप से घायल हुई रूपरेखा भुइयां का निधन हो गया। राजधानी गुवाहाटी के एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन अवस्था में रविवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उल्लेखनीय है कि गत 24 अप्रैल की रात पांच सदस्यीय डकैतों के गिरोह ने चिकित्सक डॉ. रंजीत सैकिया के आवास पर धावा बोलकर लूटपाट की थी। घटना के दौरान डकैतों ने लोहे की रॉड से हमला कर चिकित्सक दंपति को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हमले में गंभीर रूप से घायल रूपरेखा भुइयां बीते 24 अप्रैल से कोमा में थीं। घटना के बाद से उनका गुवाहाटी में इलाज चल रहा था, जहां आखिरकार उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

## एनडीए नेताओं ने डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ असम के राज्यपाल से मुलाकात की

**गुवाहाटी।** नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के नेताओं ने, मुख्यमंत्री-पद के लिए नामित डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ, आज लोक भवन में असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की और राज्य में नई सरकार के गठन से जुड़े मामलों पर चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान, डॉ. शर्मा ने राज्यपाल को एनडीए का समर्थन करने वाले चुने हुए विधायकों (एमएसएएस) की सूची सौंपी और औपचारिक रूप से असम में अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया। एनडीए ने 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा में 102 विधायकों का समर्थन हासिल कर लिया है; इनमें भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 82 विधायक, असम गण परिषद (एजीपी) के 10 और बोड़ोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) के 10

विधायक शामिल हैं। इससे पहले दिन में, बीजेपी के विधायी दल (लेजिलेटिव विंग), असम की बैठक हुई और उन्होंने सर्वसम्मति से डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को अपना नेता चुना। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और बीजेपी राष्ट्रीय मुख्यालय के पर्यवेक्षक श्री जगत प्रकाश नड्डा, तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री और बीजेपी राष्ट्रीय मुख्यालय के पर्यवेक्षक श्री नायब सिंह सैनी ने अन्य लोगों के साथ इस बैठक में हिस्सा लिया। राज्यपाल ने डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को असम में नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को मुख्यमंत्री के तौर पर, और मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

संपादकीय

## हिंसा अस्वीकार्य

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं को शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से सुशासन करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे। दरअसल, ये लोग अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक शरण लेकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहे हैं। जाहिर है, अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को पार्टी का सदस्य न बनाये तब तक वह व्यक्ति खुद को भाजपा का नहीं बता सकता है। बहरहाल, राज्य में शांति की स्थापना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली है। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती।

### रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1984 से 2023 तक किए गए उपग्रह अध्ययन से पता चला है कि कुल 2431 बड़ी झीलें चिन्हित की गई

## बम की तरह फट सकते हैं हिमालयी-हिमनद

प्रमोद भार्गव

जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। यहां तक की जिन हिमनद (ग्लेशियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है तो कुछ का आकार आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ भी रहा है। ऐसी 130 झीलें चिन्हित की गई है, जो क्षमता से अधिक आकार बढ़ने की स्थिति में बम की तरह फट सकती हैं। ऐसा होता है तो निचले क्षेत्रों में बसी बस्तियों में प्रलय का तांडव देखने में आ सकता है। हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुकुश क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन पर काम कर रहे वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के पूर्व वरिश्ठ विज्ञानी डॉ पीएस नेगी ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेने की जरूरत जताई है। रिपोर्ट के अनुसार वर्श 1984 से 2023 तक किए गए उपग्रह अध्ययन से पता चला है कि कुल 2431 बड़ी झीलें चिन्हित की गई हैं। इनका आकार 10 हैक्टेयर से अधिक है। इनमें से 676 झीलों का आकार 27 प्रतिषत से अधिक बढ़ गया है। इनमें से 130 झीलें सबसे ज्यादा संवेदनषील हैं। हिमाचल प्रदेष की गेफांग घाट झील का आकार सर्वाधिक 178 प्रतिषत बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हैक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में 10 लाख लोग ग्लेषियर झीलों के 10 किमी के दायरे में रहते हैं। याद रहे पिछले साल पांच अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाषी जिले में धराली गांव के खीर क्षेत्र में बादल फटने के कारण भीशण बाढ़ और मलबे में यह पूरा क्षेत्र डूब गया था। बादल फटने से हुई तेज बारिष ने गंगोत्री और हर्शिल के क्षेत्र में आने वाली हिमनद झीलों को नाले में बदल दिया था। इस क्षेत्र में किए गए विभिन्न अध्ययनों के अनुसार हिमालय में छोटी-बड़ी सभी तरह की झीलों की संख्या आठ हजार से भी अधिक है। 1990 के बाद से यहां 1000 के करीब नए हिमनद अस्तित्व में आ गए है। डॉ नेगी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते बड़ी मात्रा में बर्फ गिरती है तो हिमनद झीलों का आकार तो बढ़ता ही है, इनके फटने का खतरा भी बढ़ जाता है। अतएव इनकी निरंतर निगरानी रखने की जरूरत है। पोट्सडैम जलवायु प्रभाव षोध संस्थान के वैज्ञानिक-प्राध्यापक एंडर्स लीवरमैन ने धरती के बढ़ते तापमान की वजह से भारत में बारिष पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया है। एंडर्स के मुताबिक जितनी बार धरती का पारा वैष्विक तापमान के चलते एक डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़ेगा, उतनी ही बार भारत में मानसूनी बारिष 5 प्रतिषत अधिक होगी। मानसूनी बारिष का वास्तविक अंदाजा लगाना भी कठिन हो जाएगा। यह अध्ययन 'अर्थ सिस्टम डायनेमिक्स' जर्नल में छपा है। भारत में आमतौर पर बारिष का सीजन जून के महीने से षुरू होता है और सितंबर के अंत तक चलता है।

हिमनद (ग्लेशियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है तो कुछ का आकार आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ भी रहा है। ऐसी 130 झीलें चिन्हित की गई है, जो क्षमता से अधिक आकार बढ़ने की स्थिति में बम की तरह फट सकती हैं। ऐसा होता है तो निचले क्षेत्रों में बसी बस्तियों में प्रलय का तांडव देखने में आ सकता है। हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुकुश क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन पर काम कर रहे वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के पूर्व वरिश्ठ विज्ञानी डॉ पीएस नेगी ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेने की जरूरत जताई है।

एंडर्स का कहना है कि इस सदी के अंत तक साल दर साल वैष्विक तापमान की वजह से तापमान बढ़ेगा। नतीजतन भारत में मानसूनी बारिष तबाही मचाएगी। इससे ज्यादा बाढ़ आएगी, जिससे लाखों एकड़ में फैली फसलें खराब होंगी। यह इस पीढ़ी का जलवायु परिवर्तन का नमूना है, जो भारत की मानसूनी बारिष के अगले चार सालों का अनुमान लगाता है। यह अनुमान वैष्विक तापमान के बढ़ते क्रम के आधार पर लगाया जाता है। पेरिस जलवायु समझौते के अनुबंध के तहत अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस को तय मानक माना जाता है। इसी नमूने से दुनिया के अलग-अलग देषों में मानसूनी या तूफानी बारिष की गणना की जाती है। दुनिया में अनियमित एवं षक्तिषाली मौसम के खतरे बढ़ रहे हैं। इस अध्ययन के अलावा संयुक्त राश्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पश्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एषिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्श चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है। साफ है, वैष्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिष, बाढ़, बर्फबारी, बादल फटने या फिर सूखे का कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृष्य खतरे इर्दगिर्द ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं। दरअसल वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवषोशित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्षों तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा महासागरों में विलय हुआ है। इसके इतर मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का 50 फीसदी भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के जमा होने के कारण अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। इस स्थिति का निर्माण खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर में कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब समुद्र इसे अवषोशित करने की बजाय वायुमंडल में ही उगलने लग गया है। अगर इसे जल्दी नियंत्रित नहीं किया गया तो वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ेगा, जो न केवल मानव प्रजाति, बल्कि सभी प्रकार के जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा। हिमालय पर कई वर्शों से अध्ययन कर रहे 'वाडिया भू-विज्ञान संस्थान' की रिर्पोट के अनुसार हिमालय के हिमखंडों में काले कार्बन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह मात्रा सामान्य से ढाई गुना बढ़कर 1899 नैनोग्राम हो गई है। दरअसल काले कार्बन से तापमान में वृद्धि होती है। यह सूर्य के प्रकाश को अवषोशित करने में अत्यंत प्रभावी है। इससे हिमालय और आर्कटिक जैसे हिमखंडों में बर्फ पिघलने लगती है। यदि किसी साल बरसात में औसत से कम बारिष होती है तो बर्फ पिघलने की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है। वायु प्रदूशण से भी हिमखंड दूशित कार्बन की चपेट में आए हैं। उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र ने निश्कर्श निकाला है कि पिछले 37 सालों में हिमाच्छादित क्षेत्रफल में 26 वर्ग किलोमीटर की कमी आई है। इस क्षेत्र में पहले स्थाई स्नोलाईन 5700 मीटर थी, जो अब 5200 मीटर के बीच घट-बढ़ रही है। यही बजह है कि नंदादेवी जैव-मंडल (बायोस्फियर) आरक्षित ऋशि गंगा के दायरे का कुल 243 वर्ग किमी क्षेत्र बर्फ से ढका था, लेकिन यह 2020 में 217 वर्ग किमी ही रह गया है। साफ है, तापमान बढ़ने का सिलसिला बना रहा और यदि बर्फ इसी तरह पिघलती रही तो जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के संकट में आने का सिलसिला भी बना रहेगा। बढ़ते तापमान से हिमखंडों के पिघलने की जो षुरूआत होगी, उसका खतरनाक मंजर बांग्लादेष में भी देखने को मिल सकता है। यहां तबाही का तांडव इसलिए जबरदस्त और व्यापक होगा, क्योंकि बांग्लादेष तीन नदियों के डेल्टा पर आबाद है। यहां के ज्यादातर भूखंड समुद्र तल से महज 20 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। इसलिए बर्फ की षिलाओं के पिघलने से समुद्र का जलस्तर ऊपर उठेगा तो सबसे ज्यादा जलमग्न भूमि इसी देष की होगी। यहां आबादी का घनत्व सबसे ज्यादा है, इसलिए मानव त्रासदी भी इस देष को ही सबसे ज्यादा झेलनी पड़ सकती है। बांग्लादेष इस आषंका की चिंता कई बार अंतरराश्ट्रीय मंचों पर उठा चुका है। इस बाबत एक कुषंका यह भी है कि यदि वैष्विक तापमान थोड़ा भी बढ़ता है और हिमखंड पिघलते रहते हैं तो 2050 तक बांग्लादेष में धान की पैदावार 10 प्रतिषत और गेहूं की 30 प्रतिषत घट सकती है। बढ़ते तापमान को लेकर एक नई आषंका यह भी जताई जा रही है कि इससे दुनिया में कीड़े-मकोड़े और जीवाणु-विशाणु की संख्या अत्याधिक मात्रा में बढ़ेगी। कीड़ों के जीवन-चक्र पर बहुत ज्यादा वैज्ञानिक षोध नहीं हुए हैं।

देश दुनीया से

## भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने-अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। भाजपा केंद्र और बहुत से राज्यों में वर्षों से शासन में है। अंधविरोध के चरम पर जा कर भी शासन व संवैधानिक व्यवस्था के किसी मान्य मापदण्ड पर विपक्ष अभी तक ऐसा कोई मुद्दा तराश नहीं पाया है जो जनता को भी मान्य हो। यहां तक कि प्रधानमंत्री कई बार चुटकी ले चुके हैं कि सार्वजनिक जीवन में विपक्ष उनकी कोई तथ्यात्मक आलोचना करने में असफल रहा है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता तक पहुंचते ही वैश्विक वैचारिक गलियारों में भी बेचैनी पैदा हो गई है। विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक अधिकार और चुनावी निष्पक्षता पर अचानक सवाल उठाने शुरू कर दिए। बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, द गार्जियन और अल जजीरा जैसे मंचों पर फिर से यह विमर्श तेजी से गढ़ा जाने लगा कि भारत हिन्दू राष्ट्रवाद की ऐसी दिशा में बढ़ रहा है, जहां लोकतंत्र व बहुलता खतरे

में है। विदेशी मीडिया में ज्यादा चर्चा बंगाल की है। सवाल यही है कि क्या चिंता वास्तव में लोकतंत्र की है या उस सियासी बदलाव की, जिसने दशकों पुराने वामपंथ और छद्मधर्मनिरपेक्षता के वैचारिक गढ़ को ध्वस्त कर दिया? जब भाजपा हारती है, तो विदेशी मीडिया भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की तारीफ करता है, पर जैसे ही वह निर्णायक जनादेश लेकर आती है, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया संदेह और संस्थागत संकट की भाषा में बदल जाती है। श्रेष्ठभावना से ग्रसित पश्चिमी जगत कहीं यह तो नहीं मानता कि भारतीय मतदाताओं में राजनीतिक समझ का अभाव है? राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी-विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा। अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था।

आप का नजरीया

## हाशिये पर आधी दुनिया

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदवार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई। हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतः ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है। सवाल यही है कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी प्रतिबद्धता जताई है तो टिकट बांटते समय उनकी सोच क्यों नहीं बदलती? उनकी कथनी-करनी का यह अंतर कब तक जारी रहने वाला है? इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छाशक्ति क्यों नहीं नजर आती है? हालिया चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिर्फ पांच फीसदी महिलाओं का चुना जाना बताता है कि इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों का आधी दुनिया के प्रति एक जैसा नजरिया ही होता है।

महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदवार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई।

कुछ अलग

## दुखी पति-पत्नी को संत की सीख

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक गांव में एक दंपत्ति बहुत मेहनती थे, लेकिन उनके जीवन में परेशानियां जैसे खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थीं। पत्नी-पत्नी आर्थिक तंगी, बीमारी, तो कभी आपसी तनाव की वजह से परेशान थे। धीरे-धीरे वे दोनों इतने निराश हो गए कि उन्हें लगने लगा कि शायद सुख उनके भाग्य में है ही नहीं। रोज सुबह की शुरुआत चिंता से होती और हर रात शिकायतों के साथ खत्म होती। वे गांव-गांव जाकर मंदिरों में माथा टेकते, पूजा-पाठ करते, व्रत रखते, लेकिन मन की शांति उन्हें कहीं नहीं मिल रही थी। उनके चेहरे पर हमेशा उदासी छाई रहती थी। एक दिन गांव के एक बुजुर्ग ने इस दंपत्ति को क्षेत्र के प्रसिद्ध संत के बारे में बताया। कहा जाता था कि संत केवल लोगों की समस्याओं को दूर करने का सही मार्ग दिखाते हैं। अपने दुख दूर करने की उम्मीद लेकर पति-पत्नी उस संत के पास पहुंच गए। दोनों ने संत के सामने बैठकर अपने दुखों की कहानी सुनाई। संत शांत भाव से उनकी बातें सुनते रहे। कुछ देर बाद वे अचानक उठे और अपने कमरे की ओर चले गए। वहां जाकर उन्होंने एक खंभे को कसकर पकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे, "बचाओ! ये खंभा मुझे छोड़ नहीं रहा है!" संत की आवाज सुनकर आश्रम के लोग दौड़कर आए। सभी आश्चर्यचकित थे। गांव वालों ने कहा, "गुरुजी, खंभा आपको नहीं पकड़े हुए है। आपने ही खंभे को पकड़ रखा है।" संत मुस्कुराए और बोले, "यही बात मैं तुम सबको समझाना चाहता हूं। जीवन में दुख और चिंता भी ऐसे ही हैं। अक्सर दुख हमें नहीं पकड़ता, बल्कि हम ही दुख को पकड़कर बैठे रहते हैं। पुरानी गलतियों, नकारात्मक सोच और डर को छोड़ने के बजाय हम उन्हें बार-बार याद करते हैं।

दृष्टि कोण

## टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव-परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों-रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है। तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे-कदम सफलता हासिल की है। यह केवल पहले ही राउंड में 'यूनिकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफाइनल जैसा लगता है। शायद साल-दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें। टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु में सिनेमा और राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नजर में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक-परिपक्वता नहीं। राज्य के मतदाता सत्ता-विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके

नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवतः टीवीके का उदय हुआ है। टीवीके संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता-आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक शिक्षा पर जोर देती हैं। भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी। वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। 1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अपने दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं।

# संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत, पंजाब के कई शहरों में प्रदर्शन

## लुधियाना और बठिंडा में आमने-सामने आए भाजपा और आम आदमी पार्टी के समर्थक

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। रविवार को आम आदमी पार्टी ने पूरे पंजाब में भाजपा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किए। कई जिलों में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा दफ्तरों के बाहर पहुंच गए, जहां दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए। इस दौरान लुधियाना और बठिंडा में स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। लुधियाना में सबसे ज्यादा तनाव उस समय देखने को मिला जब आप की लुधियाना इकाई कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रही थी। आप कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और ईडी कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बता रहे थे। इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच तीखी नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति तब और बिगड़ गई जब दोनों पक्षों के कार्यकर्ता एक-दूसरे के करीब पहुंच गए। इस दौरान भाजपा के एक कार्यकर्ता के हाथ में चोट लग गई और खून बहने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भाजपा कार्यकर्ताओं ने आप कार्यकर्ताओं की ओर झाड़ू भी फेंकी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं। भाजपा की ओर से प्रदेश महासचिव अनिल सरीन, जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान और वरिष्ठ नेता परवीन बंसल मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया। वहीं, आप नेताओं ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। लुधियाना के गिल रोड स्थित दाना मंडी इलाके में आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा का पुतला भी फूंका। आप नेताओं का कहना था कि विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में ईडी की कार्रवाई कर विपक्षी नेताओं को डराने की कोशिश की जा रही है। आप लुधियाना शहरी इकाई के अध्यक्ष जतिंदर खंगूरा ने कहा कि संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी गैरकानूनी है और यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों की आवाज दबाने के लिए कर रही है। वहीं बठिंडा में भी भाजपा कार्यालय के बाहर तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ता मंत्री संजीव अरोड़ा और मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान आप कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों गुटों के बीच मानव श्रृंखला बनाकर टकराव को रोका। मौके पर एसपी सिटी नरेंद्र सिंह और दो डीएसपी समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार के खिलाफ नारे लगाए, जबकि आप कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर पंजाब विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया।

# मिशन 2027 के लिए *पूरी टीम तैयार*, हर वर्ग-हर क्षेत्र को साथ लेकर उतरेगी भाजपा

**लखनऊ ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कवायद तेज कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ने योगी के मंत्रिमंडल के विस्तार और कार्यक्रम में जिस तरह अपने नेताओं की सामूहिक मौजूदगी और सामाजिक-क्षेत्रीय संतुलन का प्रदर्शन किया, यह उसकी चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। यह महज औपचारिकता नहीं, बल्कि एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश है कि पार्टी हर वर्ग और हर इलाके को साथ लेकर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर चुकी है। शपथ के बाद उभरी तस्वीर में पासवान, पाण्डेय, राजपूत, तोमर, पाल और चौधरी जैसे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के नेताओं की मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि भाजपा जातीय संतुलन को अपनी रणनीति का केंद्रीय आधार बनाए हुए है। दलित, ओबीसी और सवर्ण- तीनों वर्गों की समान भागीदारी दिखाकर पार्टी यह संकेत दे रही है कि 2027 में कोई भी सामाजिक वर्ग उपेक्षित नहीं रहेगा। मंत्रिमंडल में अजीत सिंह पाल, भूपेंद्र चौधरी और कृष्णा पासवान जैसे चेहरों को शामिल करना इस बात का संकेत है कि गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित वर्ग भाजपा की रणनीति के केंद्र में हैं। खासकर लोधी समाज से आने वाले कैलाश राजपूत की मौजूदगी को भी इसी ओबीसी विस्तार के नजरिए से देखा जा रहा है, जो पार्टी के पिछड़ा वर्ग समीकरण को और मजबूती देने का संकेत है। यही वर्ग पिछले चुनावों में भी निर्णायक रहा और 2027 में भी सत्ता की कुंजी माना जा रहा है। मंत्री मंडल में मनोज पाण्डेय और सोमेन्द्र तोमर जैसे नेताओं को शामिल कर यह संदेश भी दिया गया कि भाजपा अपने पारंपरिक सवर्ण आधार को पूरी मजबूती से साथ रखे हुए है। रणनीति साफ है- विस्तार के साथ संतुलन, ताकि कोई भी वर्ग असंतुष्ट न हो। पूर्वांचल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य क्षेत्र- तीनों हिस्सों से नेताओं की भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि भाजपा 2027 में किसी एक क्षेत्र पर निर्भर रहने के बजाय पूरे प्रदेश में संतुलित पकड़ बनाना चाहती है। खासकर पूर्वांचल को निर्णायक मानते हुए यहां अतिरिक्त फोकस के संकेत भी दिखे। राजनीतिक विश्लेषक सियाराम पांडेय का मानना है कि यह आयोजन भाजपा के लिए *टीम शोकेस* की तरह रहा, जहां पार्टी ने अपनी पूरी सामाजिक और क्षेत्रीय ताकत को एक साथ प्रदर्शित किया।

## बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने टीम के लिए दरबार साहिब में की अरदास

**अमृतसर ( हिंस )।** बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री प्रीति जिंटा शनिवार देर रात श्री दरबार साहिब अमृतसर में माथा टेकने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने श्री दरबार साहिब में माथा टेका और सरबत के भले की अरदास की। प्रीति जिंटा को देखने के लिए संगत में उत्साह देखने को मिला और कई श्रद्धालुओं ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद प्रीति जिंटा ने लंगर हॉल में सेवा भी निभाई। उन्होंने संगत को रोटी वितरित की और सेवा भाव के साथ अपनी श्रद्धा प्रकट की। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वाहेगुरु जी का बुलावा आया था, इसलिए हम यहां आए हैं। उन्होंने बताया कि 11 तारीख को उनकी क्रिकेट टीम का एक महत्वपूर्ण मुकाबला है, जिसके लिए उन्होंने जीत की अरदास की है। उन्होंने विश्वास जताया कि वाहेगुरु जी की कृपा से उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और हर मैच जीतने की पूरी कोशिश करेगी।

# प्राध्यापक भर्ती-2022 पेपर लीक मामला : आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा सहित तीन गिरफ्तार

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल माफिया के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वर्ष 2022 की प्राध्यापक (स्कूल व्याख्याता) कृषि विज्ञान भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा किया है। एसओजी ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा, उसके भांजे विजय डामोर और पेपर माफिया अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि मामले की जांच की शुरुआत स्कूल व्याख्याता (कृषि) अनिता चौधरी के खिलाफ दर्ज प्रकरण से हुई थी। जांच में सामने आया कि उसने ओपीजेएस विश्वविद्यालय, चूरू से बैक डेट की फर्जी मार्कशीट के आधार पर नौकरी हासिल की थी। अनिता के फरार होने के बाद आईजी अजय लांबा, डीआईजी परिस देशमुख और एसपी कुंदन कंवरिया की टीम ने तकनीकी विश्लेषण के जरिए जांच आगे बढ़ाई, जिसमें

चौमूं निवासी अशोक कुमार यादव का नाम सामने आया। अशोक यादव वर्तमान में सीकर के दिवराला स्कूल में व्याख्याता पद पर कार्यरत है। जांच में पता चला कि उसने भी ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से बैक डेट में फर्जी बीएड और एमएससी डिग्रियां बनवाई थीं। परीक्षा परिणाम के विश्लेषण में सामने आया कि सामान्य ज्ञान के प्रथम प्रश्न पत्र में उसने 150 में से केवल 68 अंक प्राप्त किए, जबकि कृषि विज्ञान के द्वितीय प्रश्न पत्र में 300 में से 239 अंक हासिल कर मेरिट में तीसरा स्थान प्राप्त किया। एसओजी की पूछताछ में अशोक यादव ने स्वीकार किया कि उसने पेपर माफिया शेर सिंह मीणा के गुर्गे विनोद रेवाड़ से सात लाख रुपए में सॉल्व्ड पेपर खरीदा था। परीक्षा से एक दिन पहले 10 अक्टूबर 2022 को उसे पूरा पेपर रटवाया गया था। जांच में सामने आया कि कृषि विज्ञान का प्रश्न पत्र तैयार करने की जिम्मेदारी तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के पास थी। कटारा प्रश्न पत्र को अपने सरकारी आवास पर ले गया, जहां उसके भांजे विजय डामोर ने पूरे पेपर को हाथ से रजिस्टर में उतारा। बाद में यह हस्तलिखित पेपर अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को सौंप दिया गया। शेर सिंह ने इसे आगे विनोद रेवाड़, भूपेंद्र सारण और सुरेश ढाका के जरिए अभ्यर्थियों तक पहुंचाकर मोटी रकम वसूली। एसओजी जांच में यह भी सामने आया कि बाबूलाल कटारा ने अपने भांजे विजय डामोर के लिए भूगोल और सामान्य ज्ञान का पेपर उपलब्ध कराने की शर्त पर शेर सिंह से सौदा किया था। शेर सिंह ने परीक्षा से पहले विजय के मोबाइल पर लीक पेपर भेज भी दिए थे, लेकिन विजय ने परीक्षा से पहले मोबाइल नहीं देखा और पेपर का फायदा नहीं उठा सका। आईजी अजय लांबा के नेतृत्व में एसपी कुंदन कंवरिया और एएसपी चिरंजी लाल मीणा की टीम गिरफ्तार आरोपितों से गहन पूछताछ कर रही है। एसओजी अब यह जांच कर रही है कि बाबूलाल कटारा के कार्यकाल में अन्य किन-किन परीक्षाओं में भी इसी प्रकार पेपर लीक हुआ। साथ ही फर्जीवाड़े से सरकारी नौकरी हासिल करने वाले अन्य अभ्यर्थियों और नेटवर्क से जुड़े बिचौलियों की भी तलाश की जा रही है।

## एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाली महिला गिरफ्तार

**जयपुर ( हिंस )।** एयरपोर्ट थाना पुलिस ने जयपुर एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला लोगों से रुपए लेकर फर्जी एंट्री कार्ड और पास बनाकर नौकरी दिलाने का झांसा देती थी। पुलिस ने उसके कब्जे से चार फर्जी कार्ड, करीब तीस लोगों के आधार कार्ड और आवेदन फॉर्म बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि एयरपोर्ट थाना पुलिस ने जयपुर एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह की शातिर महिला किरण सैनी निवासी पिलानी जिला झुंझुनूं हाल श्रीनाथ जगतपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी महिला एआईएएसएल ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी के कार्ड को गूगल जैमिनी और एआई एप की मदद से एडिट कर रंगीन

फर्जी कार्ड तैयार करती थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अब तक करीब 30 से अधिक लोगों से जयपुर एयरपोर्ट पर नौकरी लगवाने के नाम पर लगभग 9 से 10 लाख रुपए की ठगी कर चुकी है। आरोपी पूर्व में एआईएएसएल कंपनी में जयपुर एयरपोर्ट पर कार्य भी कर चुकी है, जिसका फायदा उठाकर वह लोगों को भरोसे में लेती थी। थाना प्रभारी रूपनारायण ने बताया कि 8 मई 2026 को एयरपोर्ट थाना जयपुर पूर्व में फर्जी नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी की शिकायत दर्ज हुई थी।

## शिक्षा विभाग की नीतियों के विरोध में शैक्षिक महासंघ का आंदोलन का एलान

**जयपुर ( हिंस )।** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली, शिक्षकों की लंबित समस्याओं और शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अव्यवस्थाओं के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद किया है। रविवार को जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा के नेतृत्व में आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन ने सरकार और विभागीय अधिकारियों पर शिक्षकों की समस्याओं की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया। प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा ने कहा कि सरकार और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की हठधर्मिता के कारण शिक्षकों के ज्वलंत मुद्दों का समाधान नहीं हो पा रहा है। संगठन ने शिविरा पंचांग में संशोधन, तृतीय श्रेणी सहित सभी संवर्गों के स्थानांतरण, पदोन्नति, क्रमोन्नत विद्यालयों में पदों की वित्तीय स्वीकृति, स्टाफिंग पैटर्न लागू करने, आरजीएचएस व्यवस्था को सुचारू रखने, वेतन विसंगतियां दूर करने और

संविदा शिक्षकों को नियमित करने जैसी मांगों को प्रमुख बताया। महासंघ ने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग *नवाचार* के नाम पर शिक्षा, शिक्षक और विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है। संगठन के अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाशों में कटौती, पदस्थापन में मनमानी, पीएमश्री विद्यालयों में दोहरे मापदंड और गैर-शैक्षणिक कार्यों का अत्यधिक बोझ शिक्षकों में रोष का कारण बना हुआ है। संघर्ष समिति के संयोजक सम्पत सिंह ने कहा कि एक ओर केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों में 56 से 61 दिन तक ग्रीष्मावकाश दिए जा रहे हैं, वहीं राजस्थान के माध्यमिक और प्रारंभिक विद्यालयों में अवकाश घटाकर 35 दिन कर दिए गए हैं। उन्होंने इसे भौगोलिक परिस्थितियों के विपरीत और अव्यावहारिक बताया। महासंघ ने यह भी आरोप लगाया कि गृह जिलों में पद रिक्त होने के बावजूद शिक्षकों को दूसरे जिलों में भेजा जा रहा है तथा काउंसलिंग प्रक्रिया में निर्धारित 125 प्रतिशत पद नहीं खोलकर मनमानी की जा रही है। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण और पदोन्नति वर्षों से लंबित होने पर भी नाराजगी जताई गई। शिक्षकों पर बढ़ते गैर-शैक्षणिक कार्यों को लेकर महासंघ ने कहा कि जनगणना, ऑनलाइन हाजिरी और विभिन्न पोर्टलों के दबाव के कारण शिक्षक विद्यार्थियों और शिक्षण कार्य से दूर हो रहे हैं। कई विद्यालयों में सभी शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई है, जिससे शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। प्रदेशाध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने बताया कि संगठन 14 मई को खंड स्तर, 29 मई को जिला स्तर, 5 जून को बीकानेर निदेशालय पर संभाग स्तर और 10 जून को जयपुर संभाग स्तर पर धरना-प्रदर्शन करेगा। इसके बाद 18 जून से प्रदेश स्तरीय क्रमिक धरना शुरू किया जाएगा तथा मानसून सत्र में विधानसभा घेराव किया जाएगा। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और विभाग ने शीघ्र समाधान नहीं किया तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

# पुलिस का दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति बंद करे पंजाब सरकार : भाजपा

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब में भाजपा कार्यालयों पर कथित हमलों और आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के अभद्र व्यवहार को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब सरकार पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा नेता अश्वनी शर्मा ने पंजाब सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि राजनीतिक डराने-धमकाने की कोशिशों और पुलिस मशीनरी के दुरुपयोग को भाजपा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। चंडीगढ़ में भाजपा पंजाब के प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी की मौजूदगी में मीडिया को संबोधित करते हुए अश्वनी शर्मा ने आरोप लगाया कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार सरकारी तंत्र का गलत इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ-साथ अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। अश्वनी शर्मा ने हाल ही में मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी जांच एजेंसियां आप नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करती हैं, तो पार्टी लोकतंत्र और संविधान खतरे में होने का शोर मचाने लगती है। उन्होंने कहा कि न तो पंजाब खतरे में है और न ही लोकतंत्र, बल्कि आम आदमी पार्टी की भ्रष्ट व्यवस्था जरूर खतरे में है। शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं और भ्रष्टाचार के मामलों को छिपाने के लिए राज्य में जानबूझकर राजनीतिक टकराव का माहौल बना रही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति का उदाहरण देते हुए अश्वनी शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी पंजाब में भय और हिंसा का माहौल तैयार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग ऐसी राजनीति को स्वीकार नहीं करेंगे और राज्य को अराजकता की ओर नहीं जाने देंगे। शर्मा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर गैर-जिम्मेदाराना बयान देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

## शिक्षा मंत्री का बूंदी में अलसुबह औचक निरीक्षण, ग्रामीण सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

**बूंदी ( हिंस )।** शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने रविवार सुबह बूंदी जिले के केशवरायपाटन क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की हकीकत परखी। सुबह करीब पांच बजे मंत्री अधिकारियों के साथ गांवों की गलियों में पहुंचे और एक दर्जन से अधिक गांवों में सफाई, पंचायत व्यवस्था एवं विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई गांवों में गंदगी, कचरे से भरी नालियां, सफाईकर्मियों की अनुपस्थिति और पंचायत स्तर पर लापरवाही सामने आई, जिस पर मंत्री ने नाराजगी जताई। गुडली गांव में विद्यालय परिसर और गांव में फैली गंदगी देखकर मंत्री ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। ग्रामीणों ने भी नियमित सफाई नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई। चड़ी ग्राम पंचायत में विद्यालय परिसर में गंदगी मिलने पर मंत्री ने ग्राम विकास अधिकारी को फोन पर कड़ी फटकार लगाई।

# अपराध पर लगाम नहीं तो होगी कार्रवाई सीवान एसपी ने थानाध्यक्षों को दिखाई सख्ती

**सीवान ( हिंस )।** जिले में बढ़ते अपराध और लंबित मामलों को लेकर शनिवार को आयोजित अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा का कड़ा तेवर देखने को मिला। समाहरणालय सभागार में हुई बैठक में एसपी ने साफ शब्दों में कहा कि अपराध नियंत्रण में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हत्या, आर्म्स एक्ट और संगीन मामलों में तेजी से चार्जशीट दाखिल कर अपराधियों को सजा दिलाने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिले के सभी थानाध्यक्षों, डीएसपी और शाखा प्रभारियों की मौजूदगी में फरार अपराधियों, जेल से छूटे बदमाशों और सक्रिय अपराधकर्मियों की सूची अपडेट कर तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया गया। एसपी ने वारंट, कुर्की और गिरफ्तारी अभियान को तेज करने का निर्देश देते हुए कहा कि अपराधियों पर शिकंजा कसने में किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। असामाजिक तत्वों पर निरोधात्मक कार्रवाई, अपराध से अर्जित संपत्ति जब्ती और संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्ती बढ़ाने पर भी जोर दिया गया. पुलिस अधीक्षक ने साफ किया कि कंट्रोल रूम से मिलने वाली शिकायतों पर 15 मिनट के भीतर रिस्पांस हर हाल में देना होगा.थानों में आने वाले फरियादियों के साथ व्यवहार को लेकर भी एसपी ने सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों के साथ अभद्रता या लापरवाही की शिकायत मिलने पर संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई तय होगी. सभी थानों में आगंतुक पंजी संधारित करने और रात्रि गश्ती को मजबूत बनाने का निर्देश भी दिया गया। बैठक के दौरान महाराजगंज थानाध्यक्ष को *एसएचओ ऑफ द मंथ* घोषित किया गया, जबकि बेहतर अनुसंधान कार्य करने वाले सात पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। अपराध गोष्ठी में एसपी का पूरा फोकस अपराध नियंत्रण, तेज कार्रवाई और पुलिसिंग में जवाबदेही तय करने पर रहा।

## मदर्स डे : घरों में सहायिका का कार्य करने वाली माताओं का पन्नाधाय स्मृति सेवा ने किया सम्मान

**वाराणसी ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में मातृ दिवस (मदर्स डे)पर रविवार को पन्ना धाय स्मृति सेवा न्यास की ओर से सुंदरपुर में घरों में सहायिका का कार्य करने वाली माताओं का सम्मान किया गया। संस्था की प्रधान न्यासी कविता मालवीय ने आत्मीय माहौल में सुंदरपुर मोहल्ले के रविदास मातृ शक्ति के साथ मातृ दिवस मनाया। सभी को पुष्प माला पहनाकर उन्हें केक खिलाया और उपहार दिया। इस दौरान बस्ती में बच्चों की प्रसन्नता भी चरम थी। बच्चों ने भी अपने हाथों से अपनी माताओं को केक खिला कर शुभकामनाएं दीं और आशीर्वाद लिया। इस दौरान संदेश दिया गया कि दुनिया में मां सबसे अनमोल है। उनका हमेशा सम्मान करें। माता बच्चों की पहली गुरु होती हैं। उनका त्याग, स्नेह और प्यार सबसे खास है। उनके स्नेह व संस्कारों का हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इस मातृ दिवस पर, आइए हम सभी माताओं की असीम शक्ति और करुणा को सम्मान दें। वे परिवारों का पालन-पोषण करने से कहीं अधिक करती हैं, वे हमारे भविष्य को आकार देती हैं। कार्यक्रम में आशीष एवं किरण पांडेय ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

# बापूधाम मोतिहारी स्टेशन से 21 बच्चों को कराया गया मुक्त, एक गिरफ्तार

**पूर्वी चंपारण ( हिंस )।** जिले के बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेल पुलिस और चाइल्ड लाइन की संयुक्त कार्रवाई में 21 बच्चों का रेस्क्यू किया गया। बच्चों के साथ एक व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है। रेलवे सुरक्षा बल के अनुसार स्टेशन परिसर में बड़ी संख्या में बच्चों को संदिग्ध हालत में घूमते देखे जाने के बाद शक के आधार पर बच्चों से पूछताछ की गई तो पता चला कि सभी बच्चे बिहार के भागलपुर व झारखंड के रहने वाले है, सभी आदिवासी समाज से आते हैं, जिनकी उम्र करीब पांच से नौ वर्ष के बीच बताई जा रही है। उन्हें पढ़ाई के नाम पर यहां लाया गया था। पुलिस ने बताया कि सभी बच्चों को पहले मोतिहारी के चांदमारी इलाके में किराए के मकान में रखा गया था। इसके बाद उन्हें ट्रेन से

भागलपुर ले जाने की तैयारी थी। बच्चों के साथ पकड़ा गया व्यक्ति की पहचान फोन्सिस किस्पोटा के रूप में हुई है। वह झारखंड के रांची जिले के महुआजाड़ी थाना क्षेत्र के कनीजाडी गांव का निवासी बताया गया है। जिसने पूछताछ के दौरान बच्चों को झारखंड और भागलपुर से लाने और फिर ले जाने को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। वही इन 21 बच्चो में से किसी के पास भी कोई पहचान पत्र या वैध दस्तावेज नहीं मिला है। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है, कि सभी बच्चे को मानव तस्करी या धर्म परिवर्तन के लिए लाया गया हो सकता है। फिलहाल सभी बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंप दिया जहां उनकी काउंसलिंग की प्रक्रिया चल रही है। जीआरपी थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस अब इस पूरे मामले के पीछे के नेटवर्क की जांच कर रही है।

# सैमसंग के पुराने गैलेक्सी डिवाइस में मिलेंगे नए एआई फीचर्स

नई दिल्ली

**वन यूआई 8.5 में यूजर्स को नया इंटरफेस, बेहतर एआई टूल्स, स्मार्ट कैमरा फीचर्स, मजबूत प्राइवेसी कंट्रोल और अपग्रेडेड बिक्बी जैसे कई बड़े बदलाव मिलेंगे। कंपनी ने फिलहाल शुरुआती चरण में फ्लैगशिप डिवाइसेस को प्राथमिकता दी है।**

इसके बाद अलग-अलग देशों में अन्य समर्थित डिवाइसेस के लिए यह अपडेट धीरे-धीरे जारी किया जाएगा। वन यूआई 8.5 में सैमसंग ने गैलेक्सी एआई फीचर्स को और ज्यादा उन्नत बनाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें नए एआई टूल्स, स्मार्ट सजेशन और बेहतर मल्टीटास्किंग फीचर्स दिए गए हैं।

इसके अलावा जेमिनी लाइव और एआई रिजल्ट व्यू जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं, जिससे यूजर एक्सपीरियंस पहले से ज्यादा स्मार्ट और आसान हो जाएगा।

अब यूजर्स स्क्रीन शेयरिंग, फोटो एडिटिंग और एआई आधारित कई टास्क को अधिक सहज तरीके से इस्तेमाल कर पाएंगे।

कैमरा ऐप में भी बड़े बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने कैमरा इंटरफेस को ज्यादा क्लीन और यूजर-फ्रेंडली बनाया है ताकि प्रोफेशनल फोटोग्राफी जैसा अनुभव मिल सके। इसके अलावा अपडेट में नई विजेट डिजाइन, स्मूद एनिमेशन और बेहतर नोटिफिकेशन सिस्टम भी दिया गया है।

सैमसंग ने अपने वायस असिस्टेंट बिक्बी को भी पहले से ज्यादा स्मार्ट बनाया है। अब बिक्बी यूजर्स के सवालों को बेहतर ढंग से समझकर तेज और सटीक जवाब देने में सक्षम होगा। सुरक्षा और प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए सिक्योरिटी फीचर्स और एडवांस प्राइवेसी कंट्रोल भी जोड़े हैं।

माना जा रहा है कि वन यूआई 8.5 अपडेट सैमसंग यूजर्स को ज्यादा स्मार्ट, सुरक्षित और बेहतर मोबाइल अनुभव देने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इस अपडेट के जरिए सैमसंग अपने कई पुराने फ्लैगशिप स्मार्टफोन और टैबलेट्स में नए गैलेक्सी एआई फीचर्स उपलब्ध कराने जा रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### अप्रैल में टाटा पंच की हुई कुल 19,107 यूनिट की बिक्री

**नई दिल्ली।** अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में टाटा मोटर्स की टाटा पंच सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनकर सामने आई है। अप्रैल महीने में टाटा पंच को कुल 19,107 नए ग्राहक मिले, जो पिछले साल अप्रैल 2025 के मुकाबले 53 प्रतिशत ज्यादा है। एक साल पहले इसकी बिक्री 12,496 यूनिट रही थी। शानदार प्रदर्शन के साथ टाटा पंच ने हुंडई क्रेटा, टाटा नेक्सन और मारुति सुजुकी ब्रेजा जैसी लोकप्रिय एसयूवी को पीछे छोड़ दिया। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी फ्रोंक्स रही। फ्रोंक्स की बिक्री में 31 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई और इसकी 18,829 यूनिट बिकीं। वहीं तीसरे स्थान पर टाटा नेक्सन रही, जिसकी बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 18,126 यूनिट तक पहुंच गई। हुंडई क्रेटा इस सूची में चौथे नंबर पर रही। हालांकि इसकी बिक्री में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और अप्रैल में इसकी 15,291 यूनिट बिकीं। पांचवें स्थान पर महिंद्रा स्कार्पियो रही, जिसकी बिक्री 14,719 यूनिट रही। वहीं मारुति सुजुकी ब्रेजा 14,124 यूनिट बिक्री के साथ छठे स्थान पर रही। मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस ने भी बाजार में अच्छी शुरुआत की और 13,701 यूनिट बिक्री के साथ सातवें स्थान पर रही। हुंडई वेन्यू 12,420 यूनिट के साथ आठवें नंबर पर रही, जबकि किआ सेल्टोस 10,566 यूनिट बिक्री के साथ नौवें स्थान पर रही। सूची में दसवें स्थान पर किआ सोनेट रही।

### वैगनआर बनी देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली हैचबैक कार

**नई दिल्ली।** मारुति सुजुकी वैगनआर अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली

हैचबैक कार बन गई है। अप्रैल में वैगनआर को कुल 18,648 नए ग्राहक मिले। इसकी बिक्री में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल 2025 में इसकी कुल बिक्री 13,414 यूनिट रही थी। मारुति सुजुकी वैगनआर अपनी लोकप्रिय टाल बाय डिजाइन के कारण लंबे समय से भारतीय परिवारों की पसंदीदा कार बनी हुई है। इसका बाक्सी डिजाइन इसे सड़क पर अलग पहचान देता है। कंपनी ने नए माडल में कई आधुनिक फीचर्स भी जोड़े हैं, जिससे इसकी लोकप्रियता और बढ़ी है। फीचर्स की बात करें तो वैगनआर में 7-इंच का स्मार्टप्ले स्टूडियो टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है। यह सिस्टम एप्पल कारप्ले और एंड्रायड आटो कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। इसके अलावा कार में स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल्स, प्रीमियम फैब्रिक सीटें और 341 लीटर का बड़ा बूट स्पेस दिया गया है, जो इसे फैमिली कार के तौर पर और उपयोगी बनाता है। सेफ्टी के लिहाज से भी कंपनी ने कई जरूरी फीचर्स शामिल किए हैं। इसके अलावा सीट बेल्ट रिमाइंडर और स्पीड अलर्ट सिस्टम जैसे फीचर्स भी कार को आधुनिक सुरक्षा मानकों के करीब लाते हैं। कम कीमत, बेहतर माइलेज, बड़े केबिन स्पेस और भरोसेमंद परफार्मेंस के चलते वैगनआर भारतीय ग्राहकों के बीच लगातार मजबूत पकड़ बनाए हुए है। वैगनआर को हार्टेक्ट प्लेटफार्म पर तैयार किया गया है। हालांकि ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में इसे 1-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है।

### मारुति सुजुकी डिजायर सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनीं

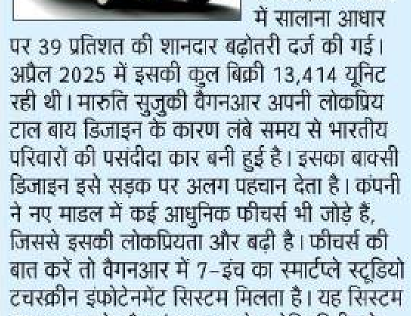


**नई दिल्ली।** मारुति सुजुकी डिजायर देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर उभरी है। डिजायर को ग्राहकों ने शानदार माइलेज, आधुनिक फीचर्स और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के चलते जमकर पसंद किया। बीते महीने अप्रैल 2026 में मारुति डिजायर की 23,580 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 16,996 यूनिट्स था। इस तरह कार की बिक्री में 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बिक्री के मामले में मारुति अर्टिगा दूसरे स्थान पर रही, जिसकी 19,063 यूनिट्स बिकीं। वहीं फ्रोंक्स ने 18,829 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मारुति वैगनआर को 18,648 नए ग्राहक मिले, जबकि बलेनो की 18,306 यूनिट्स बिकीं। स्विफ्ट की बिक्री भी मजबूत रही और इसकी 17,829 यूनिट्स ग्राहकों तक पहुंचीं। हालांकि ब्रेजा की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई और इसकी 14,124 यूनिट्स ही बिक सकीं। कंपनी की नई एसयूवी विक्टोरिस ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13,701 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। सुरक्षा के लिए इसमें 6 एयरबैग और इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल भी मिलता है।

# सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख सोना और चांदी की घटी कीमतें

नई दिल्ली

**घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना 290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत में 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये से लेकर 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये से लेकर 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।**

साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती आ गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में तेजी दर्ज की गई। इस तेजी के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,500 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में नंबर-1 बनी हुंडई क्रेटा

नई दिल्ली

अप्रैल 2026 में भी हुंडई क्रेटा ने शानदार बिक्री के दम पर अपने सेगमेंट में पहला स्थान बरकरार रखा। अप्रैल महीने में हुंडई क्रेटा की कुल 15,291 यूनिट बिकीं, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 17,016 यूनिट था। हुंडई क्रेटा की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.72 लाख रुपये है। कंपनी इस एसयूवी को कई एडवांस फीचर्स और मजबूत सेफ्टी पैकेज के साथ पेश करती है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान क्रेटा की कुल 1,84,083 यूनिट बिक्री हुई, जिसके चलते यह देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों की सूची में तीसरे स्थान पर रही। हुंडई क्रेटा को कुल सात वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया गया है। इनमें ई, ईएक्स, एस, एस (ओ), एसएक्स, एसएक्स टेक और एसएक्स (ओ) शामिल हैं।

इसके बेस माडल में भी प्रीमियम डिजाइन देखने को मिलता है। एसयूवी में बड़ी फ्रंट ग्रिल, एलईडी डीआरएल और प्रोजेक्टर हेडलैंप दिए गए हैं। इंटीरियर की बात करें तो बेस वैरिएंट में भी आधुनिक डैशबोर्ड लेआउट मिलता है। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, मैनुअल एसी, फ्रंट और रियर यूएसबी पोर्ट, सभी पावर विंडो और सेंट्रल लाकिंग जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा रियर एसी वेंट, एडजस्टेबल हेडरेस्ट और सभी यात्रियों के लिए 3-पाइंट सीटबेल्ट जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं। एसयूवी को पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्पों के साथ खरीदा जा सकता है।

इसमें 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स का विकल्प मिलता है। भारतीय बाजार में हुंडई क्रेटा का मुकाबला एमजी एस्टर, मारुति ग्रैंड विटारा, मारुति विक्टोरिस, टोयोटा हाइराइडर, स्कोडा कुशाक, फाक्सवैगन ताइगुन, होंडा एलिवेट और सिट्रोन सी3 एयरक्रास जैसी एसयूवी से होता है। वहीं आने वाले समय में टाटा सिएरा भी इस सेगमेंट में चुनौती पेश कर सकती है। क्रेटा के टाप वैरिएंट में लेवल-2 एडीएएस सहित करीब 70 एडवांस फीचर्स दिए गए हैं।

## दुनियाभर में खाने-पीने की चीजें 3 साल में सबसे महंगी

**नई दिल्ली।** दुनियाभर में खाद्य पदार्थों की कीमतें पिछले तीन साल में सबसे ऊपर पहुंच गई हैं। यूनाइटेड नेशंस से जुड़े फूड एंड एग्रीकल्चर आर्गेनाइजेशन के मुताबिक, अप्रैल में फूड कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में 1.6% की बढ़ोत्तरी हुई है। यह पिछले साल से 2.5% ज्यादा है। इस उछाल की मुख्य वजह अमेरिका-ईरान के बीच जारी युद्ध है। यूएन ने आगे और दाम बढ़ने की चेतावनी भी जारी की है। वेजिटेबल आयल और मीट की कीमतें सबसे ज्यादा बढ़ीं रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा असर वेजिटेबल आयल पर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बायो-फ्यूल की मांग बढ़ी है, जिससे वेजिटेबल आयल के प्राइज मार्च के मुकाबले 5.9% बढ़े हैं। यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे ज्यादा है। वहीं, मीट की कीमत में 1.2% की बढ़त हुई है, जो अब तक का आल-टाइम रिकार्ड है। अनाज की कीमतों में भी 0.8% की तेजी देखी गई है।

# महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने सरकार से की 1500 प्रति क्विंटल सब्सिडी की मांग

**उत्पादन लागत भी न मिल पाने पर जताई चिंता, राहत न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी**

मुंबई

महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक किसान कीमतों में भारी गिरावट और उत्पादन लागत में अभूतपूर्व वृद्धि के चलते आर्थिक तबाही का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनों से प्याज की कीमतें लगातार गिर रही हैं, जबकि बीज, खाद, कीटनाशक, मजदूरी, सिंचाई, बिजली और परिवहन जैसे खर्चों में भारी बढ़ोतरी हुई है। संघ के अनुसार किसान अपनी उत्पादन लागत भी वसूल नहीं पा रहे हैं।

संघ ने कई किसानों की आपबीती भी साझा की, जिसमें सोलापुर में एक किसान को 41 बोरी प्याज बेचने के बाद मात्र 519 रुपये का लाभ हुआ, जबकि नासिक में एक किसान को 50 पैसे प्रति किलोग्राम कीमत मिलने पर आत्महत्या का प्रयास करना पड़ा। छत्रपति संभाजीनगर जिले में भी किसानों ने कम कीमतों के विरोध में प्याज की नीलामी रोक दी। संघ ने केंद्र और राज्य सरकारों से तुरंत 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने, प्याज के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाने, बाजार समितियों में कमीशन को नियंत्रित करने, किसानों को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने और प्याज के लिए एक गारंटीशुदा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करने की मांग की है। संगठन ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। यदि तत्काल राहत उपायों की घोषणा नहीं की गई, तो पूरे राज्य में आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

# सीबीआई की कार्रवाई: 27337 करोड़ के घोटाले में अनिल अंबानी की कंपनियों पर ताबड़तोड़ छापे

नई दिल्ली

**देश के बैंकिंग सेक्टर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाने वाले कथित घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ मुंबई में 17 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई कार्पोरेट गवर्नेंस और बैंक फंड की हेराफेरी के बड़े मामलों पर जांच एजेंसियों के कड़े रुख को दर्शाती है।**

### छापेमारी के मुख्य केंद्र और आरोपी कंपनियां

सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार, यह सर्च आपरेशन रिलायंस टेलीकाम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन अलग-अलग मामलों के तहत किया गया है।

### जांच एजेंसी ने इन कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरो पर छापे मारे

इसके साथ ही उन बिचौलिया कंपनियों के दफ्तरों को भी खंगाला गया, जिनके खातों का इस्तेमाल कथित तौर पर बैंक फंड को डायवर्ट (हेराफेरी) करने के लिए किया गया था।

मुंबई की एक विशेष अदालत से सर्च वारंट हासिल करने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

### 27,337 करोड़ का वित्तीय नुकसान और फर्जीवाड़ा

इस पूरे कथित घोटाले का वित्तीय प्रभाव बेहद व्यापक है। अधिकारियों के मुताबिक, इन मामलों में सरकारी बैंकों को कुल मिलाकर लगभग 27,337 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य भी सामने आया है कि फंड डायवर्ट करने के लिए इस्तेमाल की गईं कई बिचौलिया कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं।

### सुप्रीम कोर्ट की निगरानी और अब तक की कार्रवाई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर संघीय एजेंसी ने अनिल अंबानी के रिलायंस समूह के खिलाफ हजारों करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी के कुल सात मामले दर्ज किए हैं।

इन मामलों के दर्ज होने के तुरंत बाद, बीते कुछ महीनों में सीबीआई 14 अन्य स्थानों पर भी तलाशी अभियान चला चुकी है।

24 अप्रैल को रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकाम) के दो वरिष्ठ अधिकारियों- ज्वाइंट प्रेसिडेंट डी विश्वनाथ (जो ग्रुप के बैंकिंग आपरेशंस के समग्र प्रभारी थे) और वाइस-प्रेसिडेंट अनिल कालया (जिन्होंने बैंकिंग आपरेशंस और फंड के उपयोग में सक्रिय मदद की थी) - को गिरफ्तार किया गया था।

ये दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

रिलायंस एडीए ग्रुप के खिलाफ सीबीआई की यह कार्रवाई भारत में कार्पोरेट और वित्तीय प्रणाली की खामियों का फायदा उठाने वालों के लिए एक सख्त चेतावनी है। इस पूरे मामले की सीधी निगरानी देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के दखल और सीबीआई की तेज होती कार्रवाई के चलते आने वाले दिनों में कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और निदेशकों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं, साथ ही बैंकिंग सेक्टर के नियमों में और सख्ती देखने को मिल सकती है।

# चार ओवर फेंकने के लिए पूरी तरह फिट हूं : कैमरून ग्रीन

नई दिल्ली

**इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर प्लेआफ की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।**

इस मुकाबले में फिन एलन ने नाबाद शतकीय पारी खेलकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया, जबकि आस्ट्रेलियाई आलराउंडर कैमरून ग्रीन ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। मैच के बाद कैमरून ग्रीन ने अपनी फिटनेस और गेंदबाजी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह अब पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए पूरे चार ओवर फेंकने के लिए तैयार हैं। ग्रीन ने कहा कि कोलकाता की टीम का संतुलन काफी मजबूत है और उनके पास कई गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं, जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में आसानी होती है। उन्होंने खास तौर पर अनुकूल राय की तारीफ करते हुए कहा कि बाएं हाथ के इस आलराउंडर ने मिडिल ओवरों में शानदार गेंदबाजी की है और टीम के आक्रमण को मजबूती दी है। ग्रीन ने बताया कि वह पावरप्ले, मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहते हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबलों में कैमरून ग्रीन ने गेंदबाजी नहीं की थी। पीठ की चोट से उबरने के बाद टीम प्रबंधन उन्हें केवल बल्लेबाज के तौर पर इस्तेमाल कर रहा था। हालांकि अब वह पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने गेंदबाजी करते हुए एक महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किया और नितीश राणा को आउट कर टीम को अहम सफलता दिलाई। ग्रीन ने बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि शुरुआती कुछ मैचों में टीम सही संयोजन तलाश रही थी, लेकिन अब खिलाड़ियों की भूमिकाएं स्पष्ट हो चुकी हैं। उनके मुताबिक अब टीम को समझ आ गया है कि किस खिलाड़ी को किस नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। ग्रीन का मानना है कि कोलकाता की टीम अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है। इस सीजन वह बल्ले से भी शानदार फार्म में हैं और अब तक 232 रन बनाने के साथ चार विकेट भी हासिल कर चुके हैं।

आईपीएल 2026 मेगा आक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरून ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। इतनी बड़ी कीमत को लेकर पूछे गए सवाल पर ग्रीन ने कहा कि उन्हें कभी अतिरिक्त दबाव महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ ने हमेशा उनका समर्थन किया और कीमत को लेकर कभी चर्चा नहीं की। लगातार चार जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स ने प्लेआफ की रेस में दमदार वापसी कर ली है और अब टीम की नजर टाप-4 में जगह बनाने पर टिकी हुई है।

## न्यूज ब्रीफ

### दिल्ली कैपिटल्स में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा जोरों पर

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है और अब टीम का प्लेआफ में पहुंचना लगभग नामुमकिन नजर आ रहा है। 11 मुकाबलों में सिर्फ चार जीत दर्ज करने वाली दिल्ली को सात मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम के पास अभी तीन मुकाबले बाकी हैं, लेकिन अगर दिल्ली अपने सभी शेष मैच जीत भी लेती है तो वह अधिकतम 14 अंकों तक ही पहुंच पाएगी। मौजूदा सीजन के समीकरणों को देखते हुए 14 अंकों के साथ प्लेआफ में जगह बनाना बेहद मुश्किल माना जा रहा है। ऐसे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान अक्षर पटेल पर लगातार सवाल उठने लगे हैं। इस सीजन में अक्षर पटेल का प्रदर्शन गेंदबाजी, बल्लेबाजी और कप्तानी तीनों विभागों में फीका रहा है। एक गेंदबाजी आलराउंडर होने के बावजूद वह टीम को अपेक्षित सफलता नहीं दिला पाए। 11 मैचों में उन्होंने सिर्फ 10 विकेट हासिल किए हैं। कई मुकाबलों में तो उन्होंने अपने पूरे चार ओवर भी नहीं फेंके। टी20 क्रिकेट में अक्षर की पहचान पावरप्ले में किफायती गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी के रूप में रही है, लेकिन इस सीजन वह बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम दिखाई दिए। उनकी गेंदबाजी में धार और आक्रामकता दोनों की कमी साफ नजर आई। जिसके बाद से कप्तान बदने को लेकर चर्चा जोरो पर हैं। चर्चाएं इस बात पर हो रही है कि क्या अगले सीजन दिल्ली कैपिटल्स नए कप्तान के साथ मैदान में उतर सकती है।

### विनेश फोगाट को डब्ल्यूएफआई का कारण बताओ नोटिस, पहलवान बोलीं- कोई ताकत मेरा सिर नहीं झुका सकती

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने संकेत दिए कि वह भारतीय कुश्ती महासंघ

(डब्ल्यूएफआई) द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के खिलाफ कानूनी और खेल स्तर पर लड़ाई लड़ेंगी।

डब्ल्यूएफआई ने उन पर अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्हें 26 जून तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, विनेश ने रिटायरमेंट के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए लागू यूडब्ल्यूडब्ल्यू एंटी-डोपिंग नियमों के तहत अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि पूरी नहीं की है। इसी कारण उनकी वापसी फिलहाल रोक दी गई है। विनेश गोंडा में रविवार से शुरू हो रहे नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करना चाहती थीं। गौरतलब है कि उन्होंने 2024 ओलंपिक में अयोग्य घोषित किए जाने के बाद 2024 में कुश्ती से संन्यास ले लिया था। विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि, जिंदगी किसी गहरे भंवर में फंसी हुई है। दुनिया मेरे चरित्र में खामियां ढूंढ रही है। लेकिन जिंदगी ने हमेशा सिर ऊंचा रखना सिखाया है। कोई तलवार इसे झुका नहीं सकती। डब्ल्यूएफआई द्वारा जारी 15 पन्नों के नोटिस में कहा गया है कि पेरिस में विनेश के व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा।

### राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने, नरेन को पीछे छोड़ा

**जयपुर।** गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रायल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रायल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छोड़ दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे भारत के प्रमुख स्पिनरों से आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है।

# हाकी इंडिया 11 से 20 मई तक लगाएगा सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

नई दिल्ली

हाकी इंडिया आगामी टूर्नामेंट की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए 11 से 20 मई तक सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर लगाएगा। यह शिविर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि टीम एफआईएच नेशंस कप से पहले आस्ट्रेलिया के एक्सपोजर टूर पर जाएगी। यह कप 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के आकलैंड में होगा।

आने वाले कैंप के बारे में मुख्य कोच मारिजने ने रविवार को कहा, यह आस्ट्रेलिया के हमारे आगामी दौरे से पहले एक छोटा कैंप होगा। इस कैंप का मुख्य फोकस खेल के फिटनेस पहलुओं पर होगा और उनमें सुधार करना होगा। हम इस मामले में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगला कदम उठाना चाहते हैं।

यह कैंप इस साल के अंत में होने वाले अहम मुकाबलों से पहले अपनी ताकत का आकलन करने का मौका देगा। इन मुकाबलों में 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाला एफआईएच हाकी महिला विश्व कप-2026 और 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेल शामिल हैं। इस कैंप का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि एफआईएच नेशंस कप का विजेता 2026-27 एफआईएच हाकी प्रो लीग के लिए सीधे तौर पर क्वालिफाई कर लेगा। इसके अलावा 2026-27 एफआईएच हाकी प्रो लीग का विजेता एलए 2028 ओलंपिक्स के लिए सीधे तौर पर क्वालिफाई कर लेगा।

आने वाले कैंप में वही 31 खिलाड़ी शामिल होंगे, जो अप्रैल में मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने की देखरेख में हुए पिछले राष्ट्रीय कैंप का हिस्सा थे। यह टीम की तैयारी का एक और अहम चरण होगा, जिसमें मुख्य रूप से खिलाड़ियों के तालमेल को मजबूत करने, फिटनेस के स्तर को बेहतर बनाने और खेल के रणनीतिक पहलुओं को और निखारने पर जोर दिया जाएगा।

### भारतीय महिला हाकी टीम का 31 सदस्यीय सीनियर राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

**गोलकीपर**

1. सविता, 2. माधुरी किंडो, 3. बिचू देवी खारीबाम, 4. बंसारी सोलंकी

**डिफेंडर्स**

5. निक्की प्रधान, 6. इशिका चौधरी, 7. ज्योति सिंह, 8. लालथंतलुंगी, 9. ज्योति, 10. उदिता, 11. शिल्पी डबास

**मिडफील्डर्स**

12. सुशीला चनु, 13. मनीषा चौहान, 14. वैष्णवी फाल्के, 15. साक्षी राणा, 16. सुनेलिता टोप्पो, 17. सलीमा टेटे, 18. नेहा, 19. इशिका

**फारवर्ड**

20. दीपिका सोरेंग, 21. रुतजा दादासो, 22. बलजीत कौर, 23. नवनीत कौर, 24. दीपिका, 25. अन्नु, 26. ब्यूटी डुंगडुंग, 27. हिना बानो, 28. सोनम, 29. लालरेमसियामी, 30. मुमताज खान, 31. संगीता कुमारी।

### युवराज और नव्या नायर की मंच पर गजब केमिस्ट्री, वायरल हुआ वीडियो

**त्रिवेंरम।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह खेल से संन्यास के कई साल बीत जाने के बाद भी प्रशंसकों के बीच छाये हुए हैं। इसी का एक नजारा यहां केरल में आयोजित एक कार्यक्रम में नजर आया। इसमें युवराज दक्षिण की लोकप्रिय अभीनेत्री नव्या नायर के साथ मंच साझा करते दिखे। इस दौरान हुए कार्यक्रम में युवराज और नव्या की केमिस्ट्री, भी काफी अच्छी दिखी। जश्न के दौरान चारों ओर रंग-बरंगे कागज उड़ रहे थे। मंच पर उपस्थित युवराज मेहमानों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे और तभी उनके कंधे पर कागज का एक रंगबिरंग टुकड़ा गिर गया। जिसे युवराज देख नहीं पाये। तभी नव्या ने सहज अंदाज में युवराज के कंधे पर गिरे उस कागज के टुकड़े को हटा दिया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर आया लोगों ने नव्या के शालीनत भरे अंदाज की जमकर प्रशंसा की। एक प्रशंसक ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, युवराज और नव्या साथ में यह क्रिकेट के आकर्षण और सिनेमा की एलिगेंस का बेहतरीन संगम है। प्रशंसकों को यह जोड़ी खूब पसंद आ रही है। कई अन्य यूजर्स ने भी नव्या के इस स्वाभाविक और विनम्र इशारे को उनकी अच्छी परवरिश और संवेदनशीलता का प्रतीक बताया, जिसने मंच पर एक अनकहा जुड़ाव पैदा कर दिया। गौरतलब है कि नव्या का वास्तविक नाम धन्या वीणा है, एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री और प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना हैं।

# धोनी को खेलते रहना चाहिए उनके जैसा विकेटकीपर कोई नहीं : क्लार्क

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए। क्लार्क का मानना है कि धोनी का खेल पर प्रभाव आज भी बेहद खास है और टी20 क्रिकेट में उनसे बेहतर विकेटकीपर कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन धोनी क्रिकेट से संन्यास लेंगे, उसके बाद शायद वह किसी भी रूप में खेल से जुड़े नजर नहीं आएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी को पिंडली में खिंचाव की समस्या हो गई थी। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से जानकारी दी गई थी कि 44 वर्षीय धोनी शुरुआती कुछ मुकाबले ही मिस करेंगे। हालांकि टीम अब तक 10 मैच खेल चुकी है, लेकिन धोनी मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं। वह लगातार नेट्स में अभ्यास जरूर कर रहे हैं, लेकिन मैचों के दौरान टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे। उनकी गैरमौजूदगी ने प्रशंसकों को निराश किया है, लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है कि धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते।

एक पाडकास्ट में बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही चेन्नई सुपर किंग्स की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चेन्नई का मैच होता है तो स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक नंबर 7 वाली पीली जर्सी पहनकर पहुंचते हैं। यहां तक कि टीम के साथ जुड़ने वाले प्रायोजक भी चाहते हैं कि धोनी टीम का हिस्सा बने रहें। क्लार्क ने कहा कि भारत और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए धोनी का महत्व बेहद बड़ा है और उम्र को उनकी क्षमता का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि कोई भी उन्हें यह समझा नहीं सकता कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में धोनी से बेहतर विकेटकीपर मौजूद है। उनके अनुसार धोनी की विकेटकीपिंग कौशल, मैच को पढ़ने की क्षमता और दबाव में शांत रहने का अंदाज उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

### वैभव सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

**जयपुर।** राजस्थान रायल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी 36 रनों की पारी में तीन छक्के लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।अपनी इस पारी के साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। वैभव अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने केवल 29 टी20 पारियों में हासिल की, जो अपने आप मे एक बड़ा रिकार्ड है। वैभव ने केवल 514 गेंदों में अपने 100 टी20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जो इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों में नहीं किया था। वहीं इससे पहले आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करणबीर सिंह ने 813 और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर कीरोन पोलार्ड ने 843 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे। वैभव ने पावरप्ले में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकार्ड भी बनाया है। उन्होंने मौजूदा सीजन में पावरप्ले के भीतर कुल 30 छक्के लगाये हैं, जिससे उन्होंने 2024 सीजन में अभिषेक द्वारा बनाए गए 29 छक्कों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है।

# फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा का जलवा

**अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिखेरेंगी भारतीय प्रतिभा की चमक**

मुंबई

बालीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफार्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफार्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मारिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजाय, वेगेड्रीम और

विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबाल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है। फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। समारोह में कनाडा की खूबसूरत लोकेशनों और सांस्कृतिक विरासत को विशेष प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक यह कार्यक्रम एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि टोरंटो में होने वाली यह ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फुटबाल के प्रति वहां के लोगों के उत्साह को दुनिया के सामने पेश करेगी।

# आईपीएल टिकट ब्लैक करने वाला गिरोह पकड़ाया : फ्लाइट से वेन्यू पर टिकट बेचने जाते थे आरोपी

नई दिल्ली

**दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम के पास आईपीएल मैचों की टिकटों और काम्प्लिमेंट्री पास की ब्लैक मार्केटिंग करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली गेट के पास 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स मैच से पहले खुद को अधिकृत प्रतिनिधि बताकर क्रिकेट प्रेमियों को ठग रहे थे।**

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ये पास अरुण जेटली स्टेडियम में पास एक पेट्रोल पंप में बिक रहे थे। पुलिस ने 54 मैच टिकट बरामद किए हैं, जिनमें 33 ऐसे काम्प्लिमेंट्री पास हैं जिन पर नाट फार सेल लिखा हुआ है।

टिकटों को दोगुनी कीमत पर बेचा जा रहा था - पकड़े गए आरोपियों की पहचान मुकीम (मुरादाबाद), गुफरान उर्फ साजिद (जामिया नगर) और मोहम्मद फैसल (सीलपुर) के रूप में हुई है। ये आरोपी मुफ्त पास को 20,000 प्रति पास की भारी-भरकम कीमत पर बेच रहे थे, जबकि सामान्य टिकटों को प्रिंट रेट से दोगुने दाम पर बेचा जा रहा था।

आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस सिंडिकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। अगर किसी और व्यक्ति की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

### फ्लाइट से पूरे देश में फैला रखा था नेटवर्क

पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में सक्रिय था। आरोपी फ्लाइट से उन शहरों की यात्रा करते थे जहां आईपीएल मैच आयोजित होते थे। आरोपी स्टेडियम के अंदर आनलाइन सट्टेबाजी (सट्टा) करने वालों और हाई-प्रोफाइल जेबकतरों को प्रीमियम टिकट मुहैया कराते थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इन आरोपियों को भारी मात्रा में काम्प्लिमेंट्री पास कहाँ से और किसके जरिए मिल रहे थे।

### आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकार्ड

क्राइम ब्रांच के अनुसार इन तीनों आरोपियों के खिलाफ दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में टिकट ब्लैक करने के कई मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी फैसल के खिलाफ पंजाब में जुआ अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 25,000 नकद और 54 टिकट बरामद कर आईपीसी की जगह नए कानूनों की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

कमजोरी महसूस होना, नींद और चक्कर आना लो ब्लड प्रेशर के लक्षण हैं। इनसे दिल और दिमाग पर भी असर पड़ता है। लो बीपी की शिकायत होने पर काफी कुछ खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन ऐसे उपायों को जानना भी बहुत ही जरूरी है, जिससे लंबे समय तक इस परेशानी से बचा जा सके। जानते हैं ये घरेलू उपाय।

## लो ब्लड प्रेशर से बचने के लिए घरेलू उपचार

**नमक की मात्रा बढ़ाएं:** खाने में वैसे नमक की मात्रा कम ही रखने की सलाह दी जाती है। अगर लो प्रेशर से पीड़ित हैं तो खाने में नमक या इसकी तासीर वाली खाने की चीजों की संख्या जरूर बढ़ानी चाहिए।

**चुकंदर का जूस पिएं:** लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने का ये सबसे अच्छा तरीका है। हर दिन सुबह और शाम को एक-एक कप चुकंदर का जूस जरूर पिएं। इसके अलावा एक कप स्ट्रांग कॉफी भी ट्राई कर सकते हैं। डिहाइटड्रेशन मतलब बॉडी में पानी की कमी कई सारी बीमारियों की वजह है। बॉडी के सभी पॉर्ट्स को एक्टिव रखने के लिए पानी की जरूरत पड़ती है, इसलिए पानी की मात्रा को हमेशा सही बनाए रखें जिससे कमजोरी या बैचेनी महसूस न हो।

**रोजाना एक्सरसाइज करें:** किसी भी तरह की हल्की-फुल्की एक्सरसाइज को अपने डेली रुटीन में जरूर शामिल करें। चाहें तो रोज आधे घंटे की वॉक कर सकते हैं या तैरना पसंद हो तो वो भी किया जा सकता है। इससे बॉडी में ब्लड का फ्लो सही से बना रहता है।

## प्रदूषण से सुरक्षा देता है विटामिन सी

फल व सब्जियों से भरपूर आहार करना श्वसन रोगों से पीड़ितों में वायु प्रदूषण के असर को कम करता है। जिनमें विटामिन सी का स्तर कम होता है, उनमें वायु प्रदूषण का विपरीत असर अधिक देखने को मिलता है। विटामिन सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से सुरक्षा प्रदान करते हैं। वायु प्रदूषण जब हवा के जरिए फेफड़ों में प्रवेश करता है तो फ्री रेडिकल का निर्माण होता है।

# खतरनाक है गर्म हवा का झोका

**गर्मियों में बढ़ते तापमान के साथ कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही एक गंभीर समस्या है हीट स्ट्रोक। हीट स्ट्रोक को आम बोलचाल की भाषा में लू लगना कहा जाता है। यह एक गंभीर शारीरिक अवस्था है, जिसमें शरीर, तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता खो देता है और शरीर का तापमान निरंतर बढ़ता रहता है। तापमान बढ़ कर 105 डिग्री या उससे भी अधिक हो सकता है। हीट स्ट्रोक में शरीर के तापमान का बढ़ना साधारण बुखार की स्थिति से भिन्न होता है। हीट स्ट्रोक की समस्या बेहद घातक सिद्ध हो सकती है। इसके कारण मस्तिष्क और शरीर के आंतरिक अंगों को क्षति पहुंच सकती है और सही उपचार न मिलने की स्थिति में रोगी को जान तक गंवानी पड़ सकती है।**

### हीट स्ट्रोक की अवस्थाएं

हीट स्ट्रोक में गंभीर स्थिति से पहले आमतौर पर कुछ शुरुआती अवस्थाएं होती हैं, जिनके लगातार बढ़ने के कारण स्थिति बिगड़ जाती है। इन्हें जान कर और समय रहते सही उपचार करके इस गंभीर स्थिति तक पहुंचने से बचा जा सकता है।

### हीट क्रैम्प

गर्मी में अधिक शारीरिक गतिविधि के साथ अगर शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी न मिले तो हीट क्रैम्प की समस्या हो सकती है। इस अवस्था में मांसपेशियों में ऐंठन, खासकर पेट, हाथों और पैरों में दर्द होता है। ऐसा शरीर से पसीने के साथ सोडियम निकल जाने के कारण होता है। इसलिए कम सोडियम डाइट लेने वाले लोगों और दिल के रोगियों के इससे पीड़ित होने की आशंका ज्यादा होती है। समस्या के काबू में न आने पर अगली अवस्था यानी हीट इग्जॉस्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए इस स्थिति में भरपूर मात्रा में तरल पदार्थ लें और कुछ घंटे बाहर न निकलें।

### हीट इग्जॉस्शन

तेज गर्मी और डीहाइड्रेशन के कारण हीट इग्जॉस्शन की समस्या हो सकती है। कमजोरी, तेज पसीना, तेज प्यास, जी मिचलाना, सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द, चक्कर आना जैसे लक्षण हीट इग्जॉस्शन का इशारा करते हैं। समय पर उपचार न मिलने पर समस्या बिगड़ सकती है।

### हीट स्ट्रोक के संकेत

- तेज बुखार होता है, जो 104 डिग्री से ज्यादा रहता है।
- त्वचा में लालिमा, गर्माहट और खुश्की होती है।
- अत्यधिक घबराहट होती है।
- व्यवहार में बदलाव और चिड़चिड़ापन आ जाता है।
- पसीना कम आता है।
- सांस लेने में कठिनाई होती है।

### क्या हैं कारण

अल्कोहल का सेवन, हृदय रोग, गर्मी में अत्यधिक कपड़े पहनना, गर्म दिनों में शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय होने के बावजूद पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन न करना, गर्मी में अत्यधिक व्यायाम, तेज धूप के समय फील्ड वर्क करना स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकते हैं। अवसाद के इलाज के दौरान ली जाने वाली दवाएं भी इसके खतरे को बढ़ा देती हैं।

### प्रारंभिक इलाज

- रोगी को ठंडे स्थान पर ले जाएं। उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें या सीधे ठंडा पानी डालें।
- तापमान को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त हवा दें।
- रोगी पेय लेने की स्थिति में है तो उसे ठंडे, शीतल पेय पिलाएं।
- रोगी की बगलों, गर्दन, पीठ आदि में बर्फ का पैक लगाएं।

### कैसा हो आहार

- खाने की ऐसी आदत बनाएं कि शरीर में पानी की कमी न रहे और इलेक्ट्रोलाइट संतुलित रहे।
- पानी, फलों-सब्जियों के जूस, ठंडी शिकंजी, मट्ठा, ग्लूकोज, इलेक्ट्रोलाइट जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- तला-भुना, गरिष्ठ भोजन करने से बचें।
- सलाद, दही, फल, दाल आदि अधिक खाएं।

### रिस्क फैक्टर श्रेणी

हीट स्ट्रोक का खतरा किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोग खासतौर पर हीट स्ट्रोक की रिस्क फैक्टर श्रेणी में आते हैं। इन्हें बचाव के लिए खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। बच्चे, वृद्ध, मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति, उच्च रक्तचाप, गुर्दे या दिल के रोगी, अत्यधिक शारीरिक श्रम करने वाले खिलाड़ी या मोटे लोग इसी श्रेणी के हैं।

### घरेलू उपचार

धनिए को कुछ देर पानी में भिगो कर रखें। उसे अच्छी तरह मसल कर, छान कर उसमें थोड़ी चीनी मिला कर पीने से गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं की आशंका कम हो जाती है।

कच्चे आम को उबाल कर छान लें। इसमें चीनी, नमक और भुना जीरा मिला कर पेय बना कर पिएं। गर्मी से बचाव के लिए यह रामबाण है।

ठंडे पानी में आलू बुखारे को मसल कर पीने से भी हीट स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

बेल के रस में चीनी मिला कर पिएं। शरीर को गर्मी की समस्या से राहत मिलेगी।

मेथी की सूखी पत्तियों को रात भर पानी में भिगो कर रखें और अगले दिन इसे हाथ से मसल कर छान लें। इसमें थोड़ा शहद मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा दो-दो घंटे के अंतराल में पिएं।

प्याज हीट स्ट्रोक से शरीर की रक्षा करती है। प्याज, चीनी और जीरे को भून लें। इसे थोड़ा-थोड़ा नियमित रूप से खाएं, गर्मी से राहत मिलेगी।

### इन बातों का रखें ध्यान

- जब तापमान ज्यादा हो तो हीट स्ट्रोक के खतरे से बचे रहने के लिए बेहतर है कि बाहर न निकलें। ठंडी, वातानुकूलित जगहों पर ही रहने की कोशिश करें। बाहर जाना जरूरी हो तो कुछ सावधानियां जरूर बरतें।
- कम से कम एसपीएफ 30 वाली सन्सक्रीन का प्रयोग करें।
- पर्याप्त पानी पिएं। व्यायाम के समय या किसी भी काम के लिए बाहर जाने पर पानी पीने में बिल्कुल लापरवाही न बरतें।
- अधिक शारीरिक श्रम वाली बाहरी गतिविधियां सुबह 10-11 बजे से पहले और शाम को 4-5 बजे के बाद करें।
- बाहर रहने पर थोड़े अंतराल में पानी पीते रहें, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- हल्के रंगों के ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- धूप में निकलें तो सनग्लास अवश्य लगाएं।
- छाते, चौड़े किनारे वाला हैट या स्कार्फ का प्रयोग करें।
- दिन में घर को ठंडा रखने के लिए पर्दों और सन कंट्रोल फिल्म का प्रयोग कर सकते हैं।

# ब्रेस्ट कैंसर अब नहीं रहा लाइलाज

कैंसर का एक प्रकार है ब्रेस्ट कैंसर, जो ब्रेस्ट के उतकों में होता है। यह मुख्यता मिल्क डक्ट्स या लोब्युल्स में होता है जो नलिकाओं को दुग्ध उपलब्ध कराते हैं। यह मानव और दूसरे स्तनधारियों में होता है वैसे यह रोग आमतौर पर महिलाओं को ही होता है लेकिन मेल ब्रेस्ट कैंसर भी पाया जाता है। जब शरीर की कोशिकाएं गड़बड़ा जाती है तब इनमें अनियंत्रित विभाजन होता है और ये आसामान्य कोशिकाएं एक जगह इकट्ठी होकर टयुमर बना लेती हैं। जो एक उभार के या गांठ के रूप में नजर आता है। वैसे अब यह लाइलाज नहीं रहा। इसके इलाज के लिए अब नई-नई तकनीक आ गई है। अगर शुरुआत में ही इसका इलाज हो जाए तो इसे ठीक किया जा सकता है लेकिन चौथे स्तर पर पहुंचने पर इलाज संभव नहीं है क्योंकि तब तक यह शरीर के अन्य अंगों में पहुंचकर उन्हें काफी नुकसान कर चुका होता है। चौकअप बताए छिपा खतरा स्क्रीनिंग के द्वारा कैंसर का पता तब चलता है जब किसी व्यक्ति में कैंसर के कोई बाहरी लक्षण नजर नहीं आते हैं और वह सामान्य जीवन जी रहा होता है। सामान्यता कैंसर एक कोशिका में शुरू होता है। कैंसर की पहचान उसके लक्षण नजर आने से पहले हो जाए तो उपचार आसान हो जाता है।

### मैमोग्राम

मैमोग्राम ब्रेस्ट का एक्स रे स्कैनिंग है। यह महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट है, यह बिल्कुल शुरुआत में ही ब्रेस्ट कैंसर का पता लगा लेता है जब बाहरी तौर पर इस बीमारी के कोई संकेत या लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। क्लिनिकल ब्रेस्ट एक्जामिनेशन (सीबीई) किसी डॉक्टर द्वारा किया जाने वाला ब्रेस्ट का फिजिकल इक्जामिनेशन है।

- **कब शुरू करें:** 40 वर्ष के बाद, लेकिन जिनके पारिवार में इस बीमारी का इतिहास है उन्हें 20 के बाद ही शुरू करा लेना चाहिए।
- **कितने अंतराल के बाद:** सीबीई 20 साल के बाद साल में एक बार और मैमोग्राम 40 के बाद साल में एक बार।
- **मैमोग्राम के लिए मासिक धर्म के दौरान न जाएं:** इसके लिए सबसे उचित समय मासिक धर्म के एक या दो हफ्ते बाद है। अगर आप गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन कर रही हों तो अपने डॉक्टर को इस बारे में जरूर बताएं।

### ब्रेस्ट सेल्फ इक्जामिनेशन (बीएसई)

इसमें ब्रेस्ट की जांच खुद ही की जाती है। यह जांच मासिक धर्म खत्म होने के अगले तीन दिनों में की जाती है। इसमें ब्रेस्ट को दबाकर देखना की कहीं कोई गांठ तो छिपी नहीं है। निप्पल से कोई डिस्चर्ज तो नहीं निकल रहा है या त्वचा कहीं खुरदुरी होकर सूज तो नहीं गई है। हाई रिस्क कैटेगरी वाली महिलाओं को हर महीने और सामान्य महिलाओं को तीन महीने में अपने ब्रेस्ट की जांच स्वयं करनी चाहिए।

### ब्रेस्ट की एमआरआई

ऐसी महिलाएं, जिनके परिवार में ब्रेस्ट कैंसर का इतिहास हो, जिन्हें गर्भाशय का कैंसर हो, महिलाएं जिन्होंने ने छाती पर रेडिएशन थेरेपी ली हो, वे हाई रिस्क कैटेगरी में आती हैं। उन्हें हर साल मैमोग्राम के साथ एमआरआई जरूर कराना चाहिए।

### युवा महिलाओं में भी बढ़ रहा है खतरा

- ब्रेस्ट कैंसर की एज शिफ्ट हो गई है। पहले 40-60 की आयु-सीमा वाली महिलाओं को यह बीमारी ज्यादा परेशान करती थी, लेकिन वर्तमान में युवा महिलाएं इससे ज्यादा प्रभावित हो रही हैं। मोनोपज के पहले जिन महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होता है वह ज्यादा घातक होता है।
- इसका सबसे प्रमुख कारण है कि युवा महिलाओं में मोनोपज की अवस्था को पहुंच चुकी महिलाओं से इसकी पहचान देर से होती है क्योंकि मासिक धर्म, बच्चों को स्तनपान कराने से उनके स्तन क्रियाशील रहते हैं इसलिए स्तन में होने वाले बदलावों का उनमें जल्दी पता नहीं पाता। जब डायग्राज किया जाता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और उनका कैंसर अधिक उच्च स्तर पर पहुंच चुका होता है।

### क्या कहते हैं आंकड़े

- ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले सौ गुना अधिक होता है। पश्चिमी देशों में यह आम है।
- दुनियाभर में प्रति वर्ष 13 लाख महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि होती है।
- अमेरिका में तो हर तीसरे मिनट एक महिला में ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि होती है।
- ब्रिटेन में तो 84 प्रतिशत महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं। यानी 10 में से 8 से भी ज्यादा महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं।

- शारीरिक निष्क्रियता कैंसर का खतरा 10प्रतिशत तक बढ़ा देती है और अत्यधिक धुम्रपान 35 से 50 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।
- रेडिएशन का जब सही डोज दिया जाए तो दोबारा कैंसर होने की आशंका 50-66 प्रतिशत तक कम हो जाती है।
- जो महिलाएं बच्चों को एक साल तक दूध पिलाती हैं, उनमें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा 11 प्रतिशत तक कम हो जाता है और अगर यह अवधि 24 महीने तक होती है तो इसका खतरा 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

### मॉरिशस के शोधकर्ताओं की रिसर्च में खुलासा

# बीमार भी कर सकता है आपका स्टाइलिश पर्स

*पर्स रखने का प्रचलन आज से नहीं बल्कि बरसों से चला आ रहा है। लगभग प्रत्येक व्यक्ति पर्स रखता ही है। स्टाइलिश और आकर्षक पर्स के लिए महिलाओं की दीवानगी तो किसी से छुपी ही नहीं है, लेकिन ये पर्स कभी-कभी स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी साबित होते हैं। हाल ही में एक रिसर्च से ये साबित भी हुआ है...*

एक नई रिसर्च के मुताबिक, 90 फीसदी से अधिक पर्सों में बैक्टीरिया पाएं जाते हैं, खासतौर पर महिलाओं के पर्स में ऐसा अधिक होता है। रिसर्च में पाया गया कि रसोई घर, टेबल और बाथरूम जैसी जगहों से पर्स में सबसे ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं, क्योंकि ये जगह हमेशा बहुत साफ-सुथरी नहीं रहतीं। जनरल एडवांस बायोमेडिकल के मुताबिक महिला और पुरुष दोनों में ही संक्रमित रोग फैलाने का बड़ा जिम्मेदार उनका पर्स है। हालांकि रिसर्च ये भी कहती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के पर्स में अधिक बैक्टीरिया होते हैं।

### 95 प्रतिशत में बैक्टीरिया

मॉरिशस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा की गई इस रिसर्च में 145 पर्स की जांच की गई जिसमें से 80 पर्स महिलाओं के और 65 पुरुषों के थे। रिसर्च के नतीजों में पाया गया कि 95.2 पर्स में बैक्टीरिया थे। यह बैक्टीरिया शरीर को हानि पहुंचाने के लिए काफी थे।

### 2 फीसदी की ही सफाई

रिसर्च के दौरान ये बात भी सामने आई कि केवल 2.1 फीसदी महिलाएं महीने में एक बार अपना पर्स साफ करती हैं, जबकि 81.5 कभी भी अपना पर्स खाली नहीं करती। रिसर्च में ये बात भी सामने आई कि सिंथैटिक पर्स के मुकाबले लैदर पर्स में कम बैक्टीरिया होते हैं। हाल ही में यह भी खुलासा हुआ था कि करेंसी नोटों पर माइक्रो-ऑरगनीज्म नाम के बैक्टिरिया पाए जाते हैं। ये बैक्टीरिया 10, 20, 100 के करेंसी नोट में में होते है। इन नोटों पर 78 बीमारियों को जन्म देने वाले जीवाणु पाए गए थे। जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं।

# सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

*पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।*

### सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

### सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वत: ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं नि:स्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

## रेसिपी

### चॉकलेट मार्टिनी कॉकटेल

**सामग्री**

180 एमएल वैनीला वोडका
120 एमएल आईरिश क्रीम लिकर
120 एमएल चॉकलेट लिकर
120 एमएल चॉकलेट मिल्क
आइस क्यूब
फेंटी क्रीम और चॉकलेट कैंडी

**विधि**

सबसे पहले गलास को कॉकटेल ग्लासों से भरकर रेफ्रीजिरेटर में फ्रीज कर दें। फिर इस फ्रीज कॉकटेल ग्लास में एक बड़ा चम्मच चॉकलेट सीरप डालें। अब मिक्सी में चॉकलेट लिकर, आईरिश क्रीम लिकर, चॉकलेट मिल्क, वैनीला वोडका और आइस क्यूब्स को एक साथ डाल कर ब्लेंड करें। अब रेफ्रीजिरेटर में फ्रीज हो रहे कॉकटेल ग्लास को बाहर निकालें और उसमें इस ब्लेंड किए हुए मिश्रण को उड़ेलकर तुरंत सर्व करें। इसे सजाने के लिए ग्लास में ऊपर से गार्निश की हुई फेंटी हुई क्रीम और क्रश किया हुआ चॉकलेट कैंडी ऊपर से डालकर सजाएं।

### मिंट लस्सी

**सामग्री**

दही 2 कप
पुदीना पत्ती एक चौथाई कप
नमक आधा छोटा चम्मच
अदरक का जूस 1 चम्मच
काला नमक एक चौथाई चम्मच (छोटा)
भुना जीरा पावडर एक चौथाई छोटा चम्मच
आइस क्यूब आधा कप
पुदीने की पत्ती गार्निशिंग के लिए 3 से 4

**विधि**

सबसे पहले मिक्सर ग्राइडर में पुदीने की पत्ती, दही, अदरक का जूस, नमक, काला नमक सभी को लेकर 1 कप पानी लेकर ग्राइंड कर लें। इस मिक्सचर के तैयार हो जाने पर इसे गिलास में डालकर, ऊपर से आइस क्यूब डालें। अब जीरा पावडर और पुदीने की पत्ती डाल कर इसे गार्निशिंग कर लें। आपकी मिंट लस्सी तैयार है, आप इसे तुरंत या फ्रिज में टंडा कर बाद में भी सर्व कर सकती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**